लखनऊ

बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024
वर्ष : 10 । अंक: 95
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है ।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi | NIGHT 27° Low

संक्षेप

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया से जोड़ने वाली सड़क तबाह की, दोनों देशों में बढ़ा तनाव

सियोल। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया को जोड़ने वाली सड़कों को तबाह कर दिया है। दक्षिण कोरिया का यह दावा ऐसे समय आया है, जब दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। उत्तर कोरिया का आरोप है कि दक्षिण कोरिया ने उनकी राजधानी प्योंगयांग के ऊपर ड्रोन्स उड़ाए हैं। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने एक बयान में उत्तर कोरिया द्वारा मंगलवार को सड़कों के कुछ हिस्सों को तबाह करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया की सेना पूरी तत्परता से हालात पर नजर बनाए हुए है। इससे एक दिन पहले ही उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने शीर्ष सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई थी। बैठक के दौरान, किम ने कथित तौर पर प्योंगयांग के ऊपर दक्षिण कोरियाई ड्रोन उड़ानों को 'दुश्मन की उकसावे' वाली कार्रवाई बताया और देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए 'तत्काल सैन्य कार्रवाई' की बात कही। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। उत्तर कोरिया ने सीमा पर तोपों और अन्य सैन्य इकाइयों को दक्षिण कोरियाई सीमा पर तैनात कर दिया है और अगर दक्षिण कोरिया की तरफ से कोई भी उकसावे वाली कार्रवाई होती है तो हमले के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। हालांकि दक्षिण कोरिया ने इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया है कि उसने ड्रोन भेजे हैं या नहीं, लेकिन चेतावनी दी है कि अगर उसके नागरिकों की सुरक्षा को खतरा हुआ तो वह उत्तर कोरिया को कड़ी सजा देंगे।

कनाडा ने लॉरेंस गैंग को लेकर भारत पर लगाए गंभीर आरोप, दावा- खालिस्तान समर्थकों को निशाना बना रहे

ओटावा। भारत-कनाडा के राजनयिक विवाद के बीच कनाडा सरकार ने भारत पर नए आरोप लगाए हैं। इन आरोपों के तहत ट्रूडो सरकार ने दावा किया है कि कनाडा की धरती पर गंभीर आपराधिक गतिविधियों में भारत सरकार सीधे तौर पर शामिल है। गौरतलब है कि इन आरोपों में कनाडा की सरकार ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम लिया है और कहा है कि कनाडा में मौजूद भारतीय एजेंट्स लॉरेंस बिश्नोई गैंग के साथ मिलकर खालिस्तान समर्थकों को निशाना बना रहे हैं। हालांकि कनाडा की सरकार ने अपने इन दावों के पक्ष में कोई सबूत पेश नहीं किया। कनाडा सरकार के लॉरेंस बिश्नोई गैंग को लेकर ये आरोप ऐसे समय सामने आए हैं, जब भारत में भी एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या में इस गैंग की संलिप्तता की चर्चा है। सोमवार देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (RCMP) ने दावा किया कि पिछले साल कनाडा में मारे गए खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और अन्य संबंधित मामलों की जांच में कनाडा में हत्याओं और हिंसा की घटनाओं में भारतीय सरकार के एजेंट्स के जुड़े होने का पता चला है। इससे पहले कनाडा सरकार ने आरोप लगाया कि कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा और अन्य राजनयिक निज्जर की हत्या की जांच में संदिग्ध हैं।

हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत को खतरा... वाइस प्रेसिडेंट जगदीप धनखड़ ने जनसंख्या असंतुलन पर जताई चिंता

नागपुर, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश में जनसांख्यिकीय अव्यवस्था के बढ़ते खतरे पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इसके नतीजे परमाणु बम से कम खतरनाक नहीं है। जगदीप धनखड़ जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हाल के समय में जनसांख्यिकीय अव्यवस्था ने कुछ क्षेत्रों को राजनीतिक किलों में बदल दिया है, जहां चुनावों का कोई वास्तविक अर्थ नहीं, यह तो बेहद चिंताजनक है, लोकतंत्र ने अपना सार खो दिया है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत को एक स्थिर वैश्विक शक्ति बने रहना चाहिए। इस ताकत को अभी और उभरना होगा। यह सदी भारत की होनी चाहिए। यह मानवता के लिए अच्छा होगा, जो दुनिया में शांति और सद्भाव में योगदान देगा। इसी के साथ उन्होंने ये भी कहा कि अगर हम इस देश में होने वाली जनसांख्यिकीय उथल-पुथल के खतरों से आंखें मूंद लेते हैं तो यह देश के लिए हानिकारक होगा।

विध्वंसक ताकतों पर वैचारिक प्रहार हो

भारत की एकता के महत्व को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, हमारे साझा सांस्कृतिक विरासत पर कुठाराघात हो रहा है. उसको हमारी कमजोरी बताने का प्रयास हो रहा है. ऐसी ताकतों पर वैचारिक और मानसिक प्रहार होना चाहिए. उन्होंने कहा राजनीति में कुछ लोगों को अगले दिन के अखबार की हेडलाइन के लिए राष्ट्रीय हित का त्याग करने या कुछ छोटे-मोटे पक्षपातपूर्ण हित साधने में कोई कठिनाई नहीं होती. हमें इस सोच को बदलने की जरूरत है.

परेशान करने वाले पैटर्न उभरा

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले कुछ दशकों में इस जनसांख्यिकीय बदलाव का विश्लेषण करने से एक परेशान करने वाले पैटर्न का पता चलता है। यह हमारे मूल्यों और हमारे सभ्यतागत लोकाचार और लोकतंत्र के लिए चुनौती है। यदि इस चिंताजनक चुनौती को व्यवस्थित ढंग से संबोधित नहीं किया गया, तो यह राष्ट्र के लिए अस्तित्व संबंधी खतरे में बदल जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ऐसा दुनिया में हुआ है। मुझे उन देशों का नाम लेने की जरूरत नहीं है जिन्होंने इस जनसांख्यिकीय उथपुथल के चलते अपनी पहचान 100 फीसदी खो दी है।"उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि हम बहुसंख्यक के रूप में सभी का स्वागत करते रहे हैं। हम बहुसंख्यक के रूप में सहिष्णु हैं। हम बहुमत के रूप में एक सुखदायक पारिस्थितिकी तंत्र उत्पन्न करते हैं। उन्होंने इसी के साथ विभाजनकारी प्रवृति को छोड़कर राष्ट्रवादी दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया और बताया कि यह भारत की विविधता को बढ़ावा देता है।

भारत के विकास ने दुनिया को चौंकाया

भारत की विकास गति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी विकास यात्रा दुनिया को चकित कर रही है। लेकिन सामाजिक एकता भंग होने, राष्ट्रवाद की भावना कम होने, राष्ट्र-विरोधी ताकतों के बढ़ने से आर्थिक वृद्धि को नुकसान होगा। इन खतरों के प्रति सचेत रहना चाहिए। वाइस प्रेसिडेंट ने जोर देकर कहा, हम राजनीतिक सत्ता के लिए पागलपन की हद तक नहीं जा सकते। राजनीतिक शक्ति एक पवित्र लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से लोगों से उत्पन्न होनी चाहिए।

गोपाल के परिवार को मुआवजे का मरहम, सरकारी नौकरी, 10 लाख और आयुष्मान कार्ड

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में बहराइच जिले में दो दिन पहले हुई सांप्रदायिक हिंसा में मारे गए रामगोपाल मिश्रा के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की बात कही। साथ ही आर्थिक मदद के तौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 10 लाख रुपए, 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा, आयुष्मान कार्ड और एक घर देने को कहा है। मृतक के पत्नी को शैक्षिक योग्यता के अनुसार नौकरी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के बाद महसी के विधायक सुरेश्वर सिंह ने कहा, 'मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार से बात की और संवेदना व्यक्ति की। सीएम ने पीड़ित परिवार के लिए 10 लाख रुपए मदद राशि देने के साथ मुख्यमंत्री आवास और आयुष्मान कार्ड देने की बात कही है। साथ ही मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।'

मुलाकात के बाद क्या बोले सीएम योगी?

मुलाकात के बाद योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'जनपद बहराइच की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में काल-कवलित हुए युवक के शोक संतप्त परिजनों से आज लखनऊ में भेंट की। दुःख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। आश्वस्त रहें, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना यूपी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इस घोर निंदनीय और अक्षम्य घटना के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।'

बहराइच में कैसी है स्थिति?

विधायक सुरेश्वर सिंह ने बताया, बहराइच की आज स्थिति बिलकुल सामान्य है। आज कोई घटना नहीं घटी है। अंतिम संस्कार के बाद सुधार आया है और शाम के बाद से बहराइच में कोई घटना नहीं घटी है। घटना वाले दिन पुलिस की लापरवाही की जांच के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं इसलिए और कुछ नहीं कह सकते।

मुलाकात के बाद मृतक के भाई ने टीवी9 भारतवर्ष से बात करते हुए कहा कि सीएम योगी द्वारा दिए गए आश्वासन और सहायता से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। उनके एनकाउंटर की मांग की है।

हिंसा में गई थी जान

बहराइच में रविवार को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़कने पर 22 राम गोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस दौरान पथराव और गोलीबारी में लगभग आधा दर्जन लोग घायल हो गए थे। सोमवार को परिवार और अन्य लोगों की ओर से न्याय की गुहार के बीच बड़ी संख्या में लोग अंतिम संस्कार में शामिल हुए, जिनमें से कुछ के पास लाठी-डंडे भी थे। हिंसा के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया था, दुकानें जला दी गई थीं और गुस्साई भीड़ सड़कों पर उतर आई थी।

विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र, बैठक में नियमों के उल्लंघन का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कई विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की आज की बैठक के दौरान संसदीय आचार संहिता के घोर उल्लंघन का आरोप लगाया। पत्र में लिखा गया है कि अध्यक्ष जगदम्बिका पाल द्वारा समिति की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण ढंग से संचालित की गयी। अध्यक्ष द्वारा समिति के समक्ष साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए अनवर मनिप्पाडी को दिया गया निमंत्रण समिति के दायरे में नहीं है।

विपक्ष के सांसदों ने आरोप लगाया कि हम इस मामले में आपसे तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध करते हैं, और आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप समिति के अध्यक्ष को द्विदलीय होने और संसदीय मानदंडों को बनाए रखने के उनके कर्तव्य की याद दिलाएंगे। इससे पहले विपक्ष के कई सांसदों ने मंगलवार को वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक से बहिर्गमन किया और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सदस्य ने उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है।

कल्याण बनर्जी, गौरव गोगोई, ए राजा, मोहम्मद अब्दुल्ला और अरविंद सावंत सहित विपक्षी सदस्य संसदीय समिति की बैठक से उठ कर बाहर चले गए। संसदीय समिति अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रतिनिधियों के पक्ष सुन रही थी। करीब एक घंटे तक बैठक से दूर रहने के बाद विपक्षी सदस्य फिर से इसमें शामिल हुए। भाजपा सदस्यों का दावा था कि विपक्षी सदस्य समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को लेकर अशोभनीय टिप्पणी कर रहे थे। यह लगातार दूसरा दिन है जब विपक्षी सदस्यों ने मतभेद के बाद बैठक से बहिर्गमन किया है।

मायावती का ऐलान, महाराष्ट्र और झारखंड में अकेले चुनावी मैदान में उतरेगी बसपा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी राज्य चुनावों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव अपने दम पर लड़ेगी। इसका मतलब साफ है कि मायावती की पार्टी अब किसी से गठबंधन नहीं करने जा रही है। महाराष्ट्र व झारखण्ड में चुनावी तारीखों के ऐलान का स्वागत करते हुए मायावती ने एक्स पर लिखा कि चुनाव जितना कम समय में तथा जितना पाक-साफ अर्थात् धनबल व बाहुबल आदि के

अभिशाप से मुक्त हो उतना ही बेहतर, जिसका पूरा दारोमदार चुनाव आयोग पर ही निर्भर है। इसके साथ ही यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि बीएसपी इन दोनों राज्यों में अकेले ही चुनाव लड़ेगी और यह प्रयास करेगी कि उसके लोग इधर-उधर न भटकें बल्कि पूरी तरह बीएसपी से जुड़कर परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान कारवाँ के सारथी बनकर शासक वर्ग बनने का अपना मिशनरी प्रयास जारी रखें। इसके बाद मायावती ने अखिलेश यादव की टेंशन उत्तर प्रदेश में बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि यूपी में 9 विधानसभा की सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भी बीएसपी अपने उम्मीदवार उतारेगी और यह चुनाव भी अकेले ही अपने बलबूते पर पूरी तैयारी एवं दमदारी के साथ लड़ेगी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर को होंगे।

एयर इंडिया के विमान में बम होने की सूचना से मची अफरातफरी, 139 यात्रियों की अटकी सांसे

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया के विमान में बम होने की सूचना के बाद अफरातफरी मच गई। जिसके बाद फ्लाइट को सुरक्षित अयोध्या एयरपोर्ट पर उतारा गया। जानकारी के अनुसार विमान में 139 यात्री सवार थे। एयर इंडिया का विमान जयपुर से चला था। अधिकारियों के निर्देश पर अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग कराई गई है। 24 घंटे के अंदर एयर इंडिया के विमान में बम रखने की दूसरी धमकी मिली है। कमिश्नर, एसएसपी और एसपी सिटी सहित सुरक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर जांच कर रहे हैं।

तेलंगाना में रक्षा मंत्री राजनाथ ने रखी आधारशिला; अत्याधुनिक तकनीक से लैस होने पर जोर

विकाराबाद (तेलंगाना)। तेलंगाना के विकाराबाद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज वीएलएफ स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि बदलते परिदृश्य और तकनीक के मोर्चे पर आए दिन मिल रही चुनौतियों को देखते हुए नौसेना समेत तमाम सुरक्षाबलों को अत्याधुनिक संचार तकनीक से लैस किया जाना समय की मांग है। रक्षा मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौर में देश की जनता के साथ-साथ सभी लोगों ने तकनीक की अहमियत का एहसास किया। विकाराबाद में वीएलएफ स्टेशन के शिलान्यास समारोह के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पहले जो चीजें सिर्फ कल्पना का हिस्सा लगती थीं, वो अब हकीकत बन गई हैं। यह संचार के कारण ही संभव हो पाया है... संचार के इतिहास में, अभी जो प्रगति हुई है वो बहुत ज्यादा है। संचार में उन्नत तकनीक की भूमिका अब काफी बढ़ गई है। वेरी लो फ्रीक्वेंसी (VLF) स्टेशन के शिलान्यास के मौके पर रक्षा मंत्री ने कांग्रेस नेता और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विशेष योगदान को रेखांकित करते हुए उनकी सराहना भी की।

पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के खिलाफ याचिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट में तीखी नोकझोंक, क्यों बुलानी पड़ी सिक्योरिटी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के खिलाफ जांच की मांग वाली याचिका पर न्यायाधीशों और एक याचिकाकर्ता के बीच तीखी नोकझोंक देखी गई। अंततः सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सुरक्षा बुलाई और वादी को अदालत कक्ष से बाहर निकालने को कहा। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने की, जिन्होंने अंततः अरुण रामचंद्र हुबलीकर द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने हुबलीकर द्वारा बार-बार दायर किए गए आवेदनों पर निराशा जताई। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हम इसे समाप्त करने जा रहे हैं। पेशे से वकील हुबलीकर ने अपनी याचिका में न्यायमूर्ति गोगोई के खिलाफ इन-हाउस जांच का आह्वान किया। इसमें पूर्व सीजेआई पर हुबलीकर की अवैध समाप्ति से संबंधित फैसले में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया। उन्होंने तर्क दिया कि न्यायमूर्ति गोगोई के कार्यों ने उनके जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

हुबलीकर ने अदालत के समक्ष कहा कि जस्टिस गोगोई ने एक फैसले में अनुचित रूप से हस्तक्षेप किया... उन्होंने मेरा जीवन दयनीय बना दिया है। हुबलीकर ने अदालत के समक्ष कहा कि न्यायमूर्ति गोगोई ने अनुचित रूप से एक फैसले में हस्तक्षेप किया। उन्होंने मेरा जीवन दयनीय बना दिया है। हालाँकि, अदालत इस याचिका को स्वीकार करने के लिए इच्छुक नहीं थी। पीठ ने कहा कि हम लागत लगाने जा रहे हैं। किसी जज का नाम मत लीजिए. आपके मामले में कुछ भी नहीं है। हुबलीकर ने बिना किसी डर के विरोध करते हुए कहा, 'कम से कम मुझे मेरी मौत से पहले न्याय मिलना चाहिए।' हालांकि, पीठ ने अपना फैसला दोहराते हुए कहा कि क्षमा करें, हम हस्तक्षेप नहीं कर सकते। आपकी याचिकाएं खारिज की जाती हैं।

विवाद तब बढ़ गया जब न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने सुरक्षाकर्मियों को हुबलीकर को अदालत कक्ष से बाहर निकालने का निर्देश दिया। बार-बार चेतावनियों के बावजूद, हुबलीकर ने बहस जारी रखी, यहां तक कि अदालत द्वारा नोटिस जारी करने से इनकार करने पर भी सवाल उठाया। सुरक्षा के हस्तक्षेप से पहले उसने दावा किया, मैडम, आप मेरे खिलाफ अन्याय कर रही हैं। यह पहली बार नहीं था जब हुबलीकर का न्यायपालिका से टकराव हुआ था। इससे पहले 30 सितंबर को हुई सुनवाई में मामले की अध्यक्षता कर रहे मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने पक्षकारों की सूची में जस्टिस गोगोई का नाम शामिल करने पर कड़ी आपत्ति जताई थी और हुबलीकर को नाम हटाने का निर्देश दिया था।

किश्तवाड़ में 65 घरों में लगी आग, 70 से ज्यादा परिवार हुए बेघर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के मारवाह वार्डवान गांव में आग लगने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि यह आग पहले एक घर में लगी और तेजी से फैल गई, जिसके चलते इस आग की चपेट में लगभग 65 घर आ गए और जलकर खाक हो गए। इन घरों में रहने वाले करीब 70 से 80 परिवार उनके घर जलने की वजह से बेघर हो गए हैं। आग किन कारणों से लगी, इसका पता अभी नहीं लग पाया है।

फायर डिपार्टमेंट को आग लगने की जानकारी दी गई, जिसके बाद

अग्निशमन की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इसके साथ ही एडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। अग्निशमन और इमरजेंसी सर्विस के एक अधिकारी ने कहा कि आग पर काबू पाने की कोशिशों की निगरानी करने और अग्निशमन दल की सहायता के लिए एक दर्जन से ज्यादा कर्माचारियों को बुलाया गया है। किश्तवाड़ के एक उच्च जिला अधिकारी ने कहा कि आग ने कई परिवारों को बेघर कर दिया है, और प्रभावित लोगों के लिए सहायता शुरू की जा रही है।

महबूबा मुफ्ती ने क्या कहा?

उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद देने का आश्वाशन दिया है। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस आग की चपेट में सिर्फ घर ही आए। किसी तरह की जान की हानी नहीं हुई है लेकिन माल की हानी की जानकारी जरूर सामने आई है। इस घटना पर पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए सरकार से पीड़ित परिवारों की मदद करने की अपील की।

पीड़ित परिवार के लिए अपील

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक्स पर लिखा, "किश्तवाड़ के मारवाह वार्डवान गांव में लगी आग से 70 आवासीय घर जलकर खाक हो गए। उम्मीद करती हूं कि सरकार तुरंत इन परिवारों को सहायता देगी। खासकर इसलिए क्योंकि सर्दियां आने ही वाली हैं।"

अगले महीने से एमडीआर टीबी को छह महीने में ठीक करने की दवाएं होंगी उपलब्ध

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। केजीएमयू के कलाम सेंटर में मंगलवार को टीबी की जंग में एन्टी माइक्रोबियल रेजिस्टेन्स के विषय पर वैज्ञानिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का आयोजन केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग जो कि ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में चयनित एक अंर्तराष्ट्रीय केंद्र बन चुका है ने किया।

इस आयोजन को यूएस एड. (USAID) तथा इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट टीबी एंड लंग डिजीसेज (द यूनियन) के सहयोग से किया गया। इस वैज्ञानिक आयोजन को हाईब्रिड मोड पर संपन्न किया गया। इसमें लगभग 200 चिकित्सक कलाम सेन्टर से तथा 150 चिकित्सक ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागी रहे। इस हाईब्रिड कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण इको इन्डिया नामक संस्था द्वारा पूरे देश में किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजक रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष तथा नेशनल टास्क फोर्स, राष्ट्रीय उन्मूलन कार्यक्रम के सदस्य डॉ. सूर्यकान्त ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी के उन्मूलन में आ रही सबसे बड़ी चुनौती ड्रग रेजिस्टेंस टीबी (एमडीआर एवं एक्सडीआर) के बारे में टीबी के क्षेत्र में कार्यरत सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को इसके कारण और निवारण के बारे में ज्ञानवर्धन कराना था।

डॉ. सूर्यकांत ने बताया कि उत्तर प्रदेश में एमडीआर एवं एसडीआर टीबी की चुनौती से निपटने के लिए रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग, केजीएमयू को द यूनियन, डब्लूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) तथा भारत सरकार ने 10 अक्टूबर 2022 को टीबी के उपचार हेतु उत्कृष्ट केंद्र (सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में चयनित किया था। तब से लेकर पूरे प्रदेश में केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग को टीबी की चिकित्सा का हब तथा उत्तर प्रदेश के मेरठ, आगरा, अलीगढ़, सैफई (इटावा), झांसी, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, अंबेडकर नगर तथा गोरखपुर को स्पोक के रूप में विकसित किया गया है तथा भविष्य में उत्तर प्रदेश के 44 अन्य जिलों को टीबी के उपचार हेतु उत्कृष्ट केंद्र के स्पोक्स के रूप में बनाने की योजना है, जिससे उत्तर प्रदेश को शीघ्र ही टीबी मुक्त किया जा सके। डा. सूर्यकान्त ने बताया कि एमडीआर तथा एक्सडीआर टीबी के लगभग आधे रोगियों को कुपोषण होता है तथा टीबी के उन्मूलन में कुपोषण एक बड़ी बाधा है। इसीलिए भारत सरकार ने टीबी के रोगियों का पोषण भत्ता 1 नवम्बर 2024 से दो गुना कर 1000 रूपये प्रतिमाह करने का फैसला लिया है।

डा. शैलेन्द्र भटनागर (स्टेट टीबी ऑफिसर, उत्तर प्रदेश) ने बताया कि प्रदेश को टीबी मुक्त करने के लिए 911 सीबीनॉट मशीन, 14 टीबी कल्चर लैब तथा 24 नोडल ड्रग रेजिस्टेन्ट केंद्र की स्थापना की जा चुकी है। इस वैज्ञानिक कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डा. उर्वशी सिंह (डीडीजी टीबी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) ने आनलाईन माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि अगले महीने से एमडीआर टीबी को छह महीने में ठीक करने की दवाएं देश में उपलब्ध होगी। डॉ. सोनिया नित्यानंद कुलपति, केजीएमयू ने बताया कि उत्तर प्रदेश के चिकित्सकों को एमडीआर टीबी की नई दवाओं के उपयोग के लिए केजीएमयू प्रशिक्षण देगा। इस कार्यक्रम में डा. भाविन वडेरा सीनियर हेल्थ एडवाइजर, यूएसएड (USAID), डा. संजीव सिंह, मेडिकल डायरेक्टर अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद, डा. राकेश पीएस डिप्टी डायरेक्टर (प्रोग्राम) द यूनियन, डा. मीरा भाटिया नेशनल कंसल्टेन्ट द यूनियन, केजीएमयू के अन्य वरिष्ठ चिकित्सक डा. आर के दीक्षित, डा. मोनिका अग्रवाल, डा. प्रशांत गुप्ता, डा. एस के सिंह, डा. हरीश गुप्ता, डा. सतीश कुमार, डा. अमित कुमार एवं रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग से डा. आरएएस कुशवाहा, डा. एस के वर्मा, डा. संतोष कुमार, डा. राजीव गर्ग, डा. अजय कुमार वर्मा, डा. आनन्द कुमार श्रीवास्तव, डा. दर्शन कुमार बजाज, डा. ज्योति बाजपेई एवं भारी संख्या में जूनियर डाक्टर्स भी मौजूद रहें। कार्यक्रम के अन्त में आयोजन सचिव डा. अंकित कुमार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

संक्षेप

भस्मासुर को भस्म करने के लिए भगवान विष्णु ने नारी का रूप ले लिया

बल्दीराय/सुलतानपुर। तहसील क्षेत्र बल्दीराय अंतर्गत श्री नव दुर्गा पूजा समिति तिरहुत बाज़ार के तत्वावधान में आयोजित नाटक प्रतिदिन सक्षम कलाकारों द्वारा नाटक का मंचन किया जा रहा है। भस्मासुर के भस्म हो जाते ही तालियों के गणग़ाहट एवं जयकारो से पूरा प्रागण गूंजायमान हो गया। भगवान भोलेनाथ की घोर तपस्या से जिसके सर पर हाथ रख दे वहीं भस्म हो जाएगा का वरदान पाकर भस्मासुर पूरे ब्रह्माण्ड में भीषण अत्याचार फैला दिया। तीनों लोक त्राहिमाम त्राहिमाम करने लगे। यहां तक कि भगवान शिव भी भस्मासुर के अत्याचार से तीनो लोको को बचाने के लिए भगवान विष्णु जी से अर्जी लगानी पड़ी तब भगवान विष्णु ने नारी का रूप रखकर भस्मासुर को अपने मायाजाल में फंसा लिया नारी के मोह में भस्मासुर यह भूल गया कि जब वह किसी के सर पर हाथ रखेगा तो वह भस्म हो जाएगा लेकिन भगवान ने स्वंय नारी का रूप धारण करके भस्मासुर को ठुमके लगाने पर मजबूर कर दिया जैसे ही वह ठुमके लगाकर अपना हाथ अपने सर पर रखा वैसे ही भस्मासुर वही भस्म हो गया जिससे भस्मासुर का विनाश हो गया। इस अवसर पर नाटक कमेटी के शिवराम, दिनेश, रामलाल, मोतीलाल, गंगाराम, रामदरस, अंकित कुमार, अमर बहादुर, विनय कुमार अवधेश सहित भारी सख्या में दर्शक मौजूद रहे।

पत्नी को साढू के बन्धक से मुक्ति के लिए दी तहरीर

जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर अपनी पत्नी को साढू द्वारा मुंबई मे बंधक बनाने व अनैतिक कार्य करने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। चंदवक थानाक्षेत्र के एक व्यक्ति ने केराकत सीओ को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ति का आरोप है कि उसके साढू अपने घर शादी के कार्यक्रम के बहाने उनकी पत्नी को अपने घर ले गए।उसके बाद वे पत्नी को मुंबई ले गए। आरोप है कि वहां ले जाकर दूसरों के साथ अनैतिक संबंध बनवाने के लिए दबाव बना रहे हैं। विरोध करने पर छह महीने से फोन पर गाली देते हैं और जान से मारने की धमकी भी देते रहते हैं।पीड़ति को डर है कि कहीं उसकी पत्नी के साथ कोई अप्रिय घटना न घट जाए। सीओ केराकत अजीत कुमार ने थानागद्दी चैकी प्रभारी विद्यासागर सिंह को जांचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है। केराकत के क्षेत्राधिकारी के अनुसार मामले की जांच कराई जा रही है।

डाक कर्मियों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्षन

जौनपुर। अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय नेतृत्व के आहवान पर जौनपुर डाक मंडल के कर्मचारी ने मंगलवार को लंच आवर में प्रदर्शन किया। कर्मचारी की मूलतः पांच मुख्या मांगे विभाग के समक्ष रखी है जिसमें न्यायालय के आदेश का अनुपालन कर एन .एफ. पी .इ ग्रुप की मान्यता तत्काल बहाल करो, 18 माह का डी. एे डी. आर का एरियर भुगतान करो,आठवें वेतन आयोग का गठन कर, पुरानी पेंशन जल्द बहाल करों तथा मृतक आश्रित कोटे को शत प्रतिशत करो।इस अवसर पर अखिल भारतीयवदक कर्मचारी संघ ग्रुप. सी जौनपुर मंडल के अध्यक्ष हीरालाल यादव ,सचिव श्री मोहम्मद शकील खान पी , संगठन के हरिशंकर यादव, राजेश सिंह कोषाध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, पोस्ट मास्टर सत्य प्रकाश मिश्रा , प्रभात कुमार बृजेश यादव, श्री राहुल चैहान, सुनील कुमार,श्री धर्मजीत, श्रीमती सोनालीवकुमारी, विशाल यादव ,सत्यप्रकाश आदी उपस्थित रहे।

छेड़खानी के आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

जौनपुर। मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला के साथ दो दिन छेड़खानी करने के आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। एक गांव निवासी एक महिला क्षेत्र के एक प्राइवेट अस्पताल में कार्य करती है। महिला का आरोप है कि उसके साथ दो दिन तक एक युवक पीछा करने, छेड़खानी करने के साथ ही जान से मारने की धमकी भी दिया। महिला की लिखित तहरीर पर स्थानीय पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुंगरा बादशाहपुर नगर के साहबगंज मोहल्ले के निवासी आरोपी जावेद अहमद पुत्र मंजूर अहमद के खिलाफ धारा 115(2), 352, 75, 351(2), 126(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। इस संबंध में थानाध्यक्ष मुंगरा बादशाहपुर संतोष कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही उचित कार्यवाही की जाएगी।

मुरादाबाद में महिला की गला रेतकर नृशंस हत्या में देवरानी गिरफ्तारी, ब्यॉयफ्रेंड फरार, दबिश के लिए टीम गठित

बच्चों की निगाहें मां को तलाश रहीं थीं

स्कूल की छुट्टी के बाद रितिका घर पहुंची तो वह भी घर में भीड़ देखकर बदहवास हो गई। अपनी मां के शव को देखकर वह रोने लगी। बिलखकर पापा को चिपट गई। राहुल भी बेटी को सीने से लगाकर रोने लगा। बोला बेटी तुम्हारी मां नहीं रही। इन्हें देखकर महिलाएं भी रोने लगीं।

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मुरादाबाद। कांठ के दरियापुर में महिला की गला रेतकर हत्या के विरोध में स्वजन ने हरिद्वार मुरादाबाद मार्ग पर ग्राम सलेमपुर के सामने रोड पर शव रखकर जाम लगा दिया। विरोध कर रहे लोगों ने देवरानी के ब्वायफ्रेंड को गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस ने तत्काल देवरानी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। देवरानी ने पुलिस के सामने सच उगल दिया है। पुलिस ने आरोपित ब्वॉयफ्रेंड को गिरफ्तार करने के लिए दबिश देनी शुरू कर दी है। इधर पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया। दरियापुर गांव में हरपाल सिंह का परिवार रहता है। इनके तीन बेटे राहुल, सौरभ और गौरव हैं। राहुल सबसे बड़ा बेटा है। आठ साल पहले राहुल की शादी सीमा से हुई थी। इनकी सात साल की बेटी रितिका, तीन साल की दूसरी बेटी चकोर और आठ माह का बेटा रुद्र हैं। सोमवार की सुबह हरपाल, राहुल, सौरव और गौरव खेत पर चले गए थे। बड़ी बेटी रितिका स्कूल चली गई थी। छोटी बेटी गांव में ही खेलने गई थी। रुद्र घर में ही फर्श पर खेल रहा था। घर में जेठानी सीमा और देवरानी सुधा थे। यह दोनों ही अपने-अपने कमरे में बताए गए। सोमवार की सुबह 10 बजे से 11 बजे के बीच सुधार जेठानी के कमरे की ओर गई तो जेठानी का गला रेता हुआ था। खून फर्श पर बिखरा था। भूसे भी शरीर पर चिपका था। यह देख उसकी चीख निकल गई। आठ माह का रुद्र भी बरामदे में खेल रहा था। इसके साथ ही वह वहीं बेहोश हो गई। चीख सुनकर पड़ोसी भी इकट्ठा हो गए। वहीं सुधा को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। फौरन ही हरपाल, राहुल, सौरव और गौरव को हत्या की सूचना दी गई थी। रात होने के साथ ही देवरानी सुधा के ब्वॉयफ्रेंड द्वारा हत्या किए जाने की गांव में जानकारी हुई।

देवरानी पर गांव के लोगों को था शक

देवरानी पर गांव के लोगों को शक हुआ। सुबह में हाईवे पर जाम लगाया गया तो पुलिस ने देवरानी सुधा को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। पूछताछ में देवरानी ने सच उगल दिया। पुलिस ने ब्वॉयफ्रेंड को गिरफ्तार करने के लिए दबिश देनी शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी अपेक्षा निम्बाडिया ने बताया कि लोगों को समझाकर शांत किया गया है। ब्वॉयफ्रेंड को गिरफ्तार करने के लिए टीम गई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जल जंगल जमीन के साथ धर्म की रक्षा के लिये भी समर्पित हैं : विशाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जनपद के रहने वाले आईटीआई डिप्लोमा धारी विशाल कुमार के मन में अचानक ख्याल आया कि क्यों न १२ ज्योतिर्लिंगों की पैदल यात्रा कर समाज को सनातन की रक्षा करने के लिए आगे आने का संदेश दिया जाए और बस फिर क्या था वह निकल पड़े १५००० किलोमीटर की लंबी पदयात्रा के लिये जिसकी शुरुआत उन्होंने वैश्विक धर्म नगरी हरिद्वार से करते हुये केदारनाथ धाम का दर्शन करने के बाद मुरादाबाद के रास्ते १४ अक्टूबर की देर शाम ७५* किलोमीटर की यात्रा पूरी कर सीता कुंड धाम पहुंचे जहां गोमती मित्र मंडल के प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन, वरिष्ठ अधिवक्ता जीतेन्द्र श्रीवास्तव ने गोमती मित्रों के साथ उनका स्वागत किया व रात्रि विश्राम तथा भोजन आदि की व्यवस्था करने के बाद १५ अक्टूबर को प्रातः उन्हें शुभकामनाओं के साथ आगे की यात्रा के लिए रवाना किया। विशाल ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य व्यक्तिगत प्रचार न होकर केवल सनातन का प्रचार और लोगों में धर्म की रक्षा की प्रेरणा को जागृत करना है।

आधुनिक मशीनों से नगर की साफ सफाई व्यवस्था को करेंगे दुरुस्त

सुलतानपुर। नगर पालिका परिषद द्वारा नगर की साफ-सफाई व्यवस्था को और चाक चौबन्द करने के लिए पालिकाध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र सरोज, सभासदगण व पालिका के अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में 01 अदद् जे०सी०बी० (4X4), 01 अदद् डबल बैरल फॉगिंग मशीन एवं 25 अदद् मानव चालित रिक्शा कूड़ा गाड़ी का विधिवत पूजन कर लोकार्पण किया गया। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि वर्तमान में चल रहे दुर्गापूजा मेला एवं आने वाले दीपावली छठ पर्व के दृष्टिगत पालिका द्वारा नगर की साफ-सफाई व्यवस्था को और चुस्त दुरूस्त करने के लिए नई जेसीबी एवं नगर के सभी पचीसों वार्डों में प्रत्येक वार्ड को एक-एक अदद् मानव चालित रिक्शा कूड़ा गाड़ी प्रदान की गयी है, जिससे कूड़ा उठान की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है।

बिजनौर में हिस्ट्रीशीटर ने मचाया तांडव : पहले भागवत कथा की मंडली, फिर पुलिस पर किया पथराव, गाड़ी के शीशे तोड़े

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बिजनौर। एक हिस्ट्रीशीटर ने सोमवार रात जमकर कानून व्यवस्था को ताक पर रख दिया। युवक ने भागवत कथा का समापन कर जा रही मंडली पर पथराव कर दिया। विरोध करने पर आरोपित ने महिलाओं के साथ मारपीट की। सूचना पर पहुंची यूपी-112 की गाड़ी पर पथराव करते हुए सिपाहियों से मारपीट की। आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ एक दर्जन से अधिक केस दर्ज हैं। थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के गांव चौंकपुरी में सात दिन से भागवत कथा चल रही थी। चांदपुर के गांव सैंद्धवार निवासी प्रशांत दत्त शर्मा अपनी पत्नी दीपिका और बेटी शिवानी समेत सात सदस्य के साथ कथा का वाचन कर रहे थे। सोमवार को भागवत कथा के समापन के बाद मंडली कार से घर जा रहे थे। गांव पार करते समय बीच में हिस्ट्रीशीटर तरुण पुत्र जोगेंद्र का घर पड़ता है। आरोपित ने किसी बात को लेकर उनकी कार पर पथराव कर दिया। उन्होंने विरोध किया तो तरुण ने दीपिका के साथ मारपीट की।

पीआरवी के तोड़ दिए शीशे

सूचना पर यूपी-112 की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। नशे में धुत्त आरोपित पुलिस ने भिड़ गया। पीआरवी की शीशे तोड़ दिए। पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। आरोपित को दबोच लिया। पीड़िता दीपिका की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ केस जर्द कर लिया गया है। पुलिस की ओर से भी मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

सीओ चांदपुर राजेश सोलंकी ने बताया कि आरोपित ने पहले कार सवारों के साथ मारपीट की। फिर पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की गई। आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गिरफ्तार कर लिया हैं।

बाइक और मोबाइल के लूट में पांच आरोपित गिरफ्तार

करीब दो माह पूर्व लूटपाट करने वाले पांच आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से लूटे हुए 24 सौ रुपए, दो मोबाइल और लूट में इस्तेमाल की गई दो बाइक बरामद की हैं। थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हेड़ा निवासी इरशाद पुत्र रईस ने 22 अगस्त 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह किरतपुर से दूध बेचकर अपने घर जा रहा था। रास्ते में एक स्कूल के पास दो बाइक सवार बदमाशों ने उससे 1550 रुपये लूट लिए थे। उसी रात सर्वेश निवासी ग्राम खेड़ी से भी किरतपुर से अपने गांव जाते हुए दो बाइक सवार बदमाशों ने दो मोबाइल और 900 लूट लिए थे।

पांचों आरोपितों को कोर्ट ने भेजा जेल

कोतवाल जयभगवान सिंह यादव ने बताया कि जांच में आशु पुत्र शंकरचंद निवासी ग्राम महमूदपुर मिलक थाना नहटौर, मनीष पुत्र ध्यान सिंह, सचिन पुत्र महिपाल, सौरभ पुत्र प्रमोद और आदित्य पुत्र मनोज निवासीगण ग्राम छितावर थाना किरतपुर के नाम प्रकाश में आए। उन्होंने सभी आरोपितों को हिरासत में लेकर उनके पास से लूटे हुए दोनों मोबाइल और 2400 रुपये बरामद किए हैं। इसके साथ ही घटना में प्रयुक्त की गई दोनों बाइक भी बरामद की हैं। उन्होंने बताया कि सभी पांचों आरोपितों को सक्षम न्यायालय में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया है।

इंडिया-एनडीए दोनों गठबंधन असमंजस में! क्यों सहयोगियों पर भरोसा नहीं कर पा रहीं सपा और बीजेपी?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव का मंगलवार को औपचारिक ऐलान हो सकता है। चुनाव आयोग महाराष्ट्र और झारखंड के साथ यूपी उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है। उपचुनाव से सत्ता का खेल बनने और बिगाड़ने का फिलहाल कोई खतरा नहीं है, लेकिन 2027 का सेमीफाइल जरूर माना जा रहा है। यही वजह है कि बीजेपी अपने सहयोगियों से ज्यादा खुद पर भरोसा कर रही है तो सपा भी अपने दम पर ही चुनावी बाजी जीतना चाहती है। इसके चलते एनडीए और इंडिया दोनों गठबंधनों में सीट शेयरिंग के फॉर्मूला पर असमंजस बना हुआ है।

यूपी की दस उपचुनाव वाली विधानसभा सीटों में से बीजेपी 9 सीटों पर तो खुद चुनाव लड़ना चाहती है और मीरापुर सीट अपने सहयोगी आरएलडी को देने का फैसला किया है। निषाद पार्टी की दो सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग को बीजेपी ने

नजर अंदाज कर दिया है। इस तरह सपा ने 10 में से 6 सीट पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस पांच सीटें उपचुनाव में मांग रही थी, लेकिन सपा अब उसे सिर्फ एक सीट देना चाहती है। इस तरह दोनों ही गठबंधन में सीट को लेकर सियासी रार छिड़ गई है। सपा से कांग्रेस नाराज है तो बीजेपी से निषाद पार्टी।

यूपी से लेकर महाराष्ट्र तक सीट शेयरिंग

कांग्रेस में एक धड़े की मंशा है कि पार्टी सभी दस सीट पर उपचुनाव लड़े, जबकि पार्टी में एक दूसरा धड़ा चाहता कि उपचुनाव में सपा को सभी सीटों पर वॉकओवर दे दिया जाए। इसके पीछे की स्ट्रेटेजी यह है कि सपा अगर यूपी में कांग्रेस के लिए उपचुनाव में सीटें नहीं दे रही है तो फिर कांग्रेस महाराष्ट्र में सपा के लिए सीटें नहीं छोड़ेगी। इस तरह महाराष्ट्र से लेकर यूपी तक में सीट शेयरिंग का मामला सपा और कांग्रेस के बीच उलझा हुआ है।

सपा-कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं

कांग्रेस और सपा की सियासी केमिस्ट्री 2024 के लोकसभा चुनाव में हिट रही। यूपी की 80 में से 43 सीटें सपा-कांग्रेस गठबंधन जीतने में सफल रही, लेकिन उपचुनाव में सीट शेयरिंग को लेकर बात नहीं बन पा रही। कांग्रेस पांच सीटें उपचुनाव में मांग रही थी, लेकिन सपा तैयार नहीं है। सपा ने कांग्रेस को भरोसे में लिए बगैर 6 सीटों पर कैंडिडेट के नाम का ऐलान भी कर दिया, जिसमें फूलपुर व मझवां सीट भी शामिल हैं, जहां कांग्रेस अपनी दावेदारी कर रही थी। इस तरह से कांग्रेस के लिए बड़ा झटका था।

सीट शेयरिंग को लेकर फंसा पेंच

उपचुनाव की गाजियाबाद, खैर, मीरापुर और कुंदरकी सीट ही बची हैं। कांग्रेस को सपा सिर्फ गाजियाबाद सीट ही देना चाहती है जबकि वह मीरापुर और खैर सीट भी चाहती है। सपा किसी भी सूरत में मीरापुर सीट नहीं देना चाह रही। इसके चलते मामला उलझ गया है और कांग्रेस एक सीट से तैयार नहीं है। ऐसे में गाजियाबाद के साथ खैर सीट भी देने का ऑफर सपा की तरफ से दिया गया है, लेकिन कांग्रेस गाजियाबाद के बजाय मीरापुर सीट चाहती है। इसके चलते यूपी ही नहीं महाराष्ट्र में भी सियासी पेंच फंस गया है।

कांग्रेस सूबे में तैयार कर रही जमीन

लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस यूपी में अपनी सियायी जमीन को तैयार करने में जुट गई है। कांग्रेस ने सभी 20 उपचुनाव वाली सीटों पर संविधान सम्मान सम्मेलन के जरिए अपनी सक्रियता बढ़ाने की घोषणा की थी। कांग्रेस ने इसका आगाज प्रयागराज के फूलपुर सीट से किया था, जिसके बाद मंझवा, मीरापुर, सीसामऊ और खैर विधानसभा क्षेत्र में सम्मेलन हुआ। इसके अलावा कांग्रेस सभी 10 सीटों के लिए वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी और पर्यवेक्षक नियुक्त कर रखा है, लेकिन सपा से उसकी मुराद पूरी नहीं हो रही है। ऐसे में कांग्रेस और सपा के बीच सियासी तनाव वाली स्थिति बनी हुई है। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र के रास्ते ही यूपी उपचुनाव की सीटों का मामला सुलझेगा?

बीजेपी से निषाद पार्टी यूपी में नाराज

बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए में भी सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय नहीं हो सका। हालांकि, बीजेपी ने तय किया है कि दस में से 9 सीट पर वो खुद चुनाव लड़ेगी और एक सीट मीरापुर आरएलडी को दे रही है। आरएलडी मीरापुर और खैर सीट मांग रही थी, लेकिन मीरापुर सीट से ही उसे संतोष करना पड़ेगा। निषाद पार्टी 2022 में बीजेपी के साथ गठबंधन में रहते हुए, जिन दो सीटों पर चुनाव लड़ी थी, उसे मांग रही थी। इसमें एक सीट मिर्जापुर की मझवां और अंबेडकरनगर की कटेहरी सीट है। मझंवा सीट को निषाद पार्टी 2022 में जीतने में कामयाब रही और कटेहरी सीट पर हार गई थी।

बीजेपी को करना पड़ेगा हार का सामना

उपचुनाव में एक भी सीट न मिलने से निषाद पार्टी नाराज है। निषाद पार्टी के मुखिया और मंत्री संजय निषाद ने कहा कि अगर हमें मझवां और कटेहरी सीट नहीं मिली तो बीजेपी को हार का सामना करना पड़ेगा। निषाद को सिम्बल का ना मिलना 2024 में लोकसभा चुनाव में बीजेपी की कई सीट पर हार का कारण बना है। इसके बाद उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि सीट शेयरिंग को लेकर उन्होंने अपनी बात रखी है।

संजय निषाद ने बताया गठबंधन का धर्म

संजय निषाद ने आगे कहा कि सहयोगी दल की अभी बैठक होगी उसके बाद तय होगा कि कितनी सीट मिल रही है। बीजेपी को अपने गठबंधन का धर्म निभाना चाहिए ये दोनों सीट निषाद समाज को ही मिलनी चाहिए। मझवां सीट निषाद पार्टी किसी भी सूरत में नहीं छोड़ रही है बीजेपी भी अड़ी हुई है। निषाद पार्टी को साधकर रखने के लिए बीजेपी मझवां की जगह कटेहरी सीट देने का विकल्प दे सकती है। इस पर संजय निषाद को रजामंद होना पड़ेगा।

बीजेपी और सपा को खुद पर भरोसा

बीजेपी और सपा दोनों ही पार्टियां अपने-अपने सहयोगी दलों के बजाय खुद पर ज्यादा भरोसा कर रही है। इसीलिए सपा भी कांग्रेस को बहुत ज्यादा सियासी स्पेस देने के बजाय खुद बीजेपी से दो-दो हाथ करना चाहती है। इसी तरह बीजेपी भी समझती है कि निषाद पार्टी या फिर दूसरे सहयोगी दलों के बजाय खुद अपने चुनावी सिंबल पर वह चुनाव लड़े। इसलिए बीजेपी ने 10 में से 9 सीट पर खुद उपचुनाव लड़ने की प्लानिंग बनाई।

बीजेपी इस बात को 2024 के लोकसभा चुनाव नतीजों से सबक लिया है, उसे लगता है कि अपने कमल चुनाव निशान पर लड़ेगी तो जीत पक्की है, लेकिन किसी भी सहयोगी दल पर चुनाव लड़ती है तो जीत की गारंटी नहीं है।

सीएम योगी के मिशन शक्ति का दिखा असर, बेटियां बनीं एक दिन की डीएम-एसपी

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप बेटियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उठाया गया कदम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेटियों को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और प्रोत्साहित करने के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इसी के तहत सीएम योगी के निर्देश पर शारदीय नवरात्र में मिशन शक्ति के तहत प्रदेश में कई कार्यक्रम आयोजित किये गए। इसी कड़ी में शारदीय नवरात्र के अवसर पर प्रदेश के एक दर्जन से अधिक जिलों में बेटियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक दिन का डीएम, सीडीओ, एसडीएम और एसपी बनाया गया। इस दौरान बेटियों ने शिकायतों को सुन त्वरित निस्तारण भी किया। सीएम योगी का आभार जताते हुए बेटियों ने कहा कि इस पहल से आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कड़ी मेहनत कर भविष्य में प्रशासनिक सेवा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात भी कही।

लखीमपुर खीरी की डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि सीएम योगी की मंशा के अनुरूप मिशन शक्ति और बेटी बचाओ बेटी पढ़ओ के तहत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार की आठवीं की छात्रा अग्रिमा धवन ने डीएम की कुर्सी संभाली। एक दिन की डीएम अग्रिमा ने जनसुनवाई के दौरान सब्जियों के दाम कंट्रोल करने के निर्देश दिये। इसके अलावा जिले की सभी सातों तहसील क्रमशः लखीमपुर में भाव्या सिंह, गोला में स्मृति सिंह, पलिया में निधि गुप्ता, धौरहरा में अनन्या रस्तोगी, निघासन में अनुष्का पटेल, मोहम्मदी में नन्दिनी गुप्ता, मितौली में खुशबू राठौर ने सांकेतिक रूप से एसडीएम की भूमिका अदा की। जौनपुर के डीएम दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि इंटर में जिले की टॉपर सजल गुप्ता ने डीएम की कुर्सी संभाली। उन्होंने 87 मामलों की सुनवाई कर 14 मामलों का निस्तारण किया। मीरजापुर की डीएम प्रियंका निरंजन ने बताया कि मेधावी छात्रा शिवांशी द्विवेदी को डीएम और लक्ष्मी रतन मौर्य को सीडीओ बनाया गया। बेटियों ने महिला संबंधी मामलों के निस्तारण में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिये।

महराजगंज की सांकेतिक डीएम अर्पिता और एसपी प्रतीक्षा ने सुनीं समस्याएं

गाजीपुर डीएम आर्यका अखौरी ने बताया कि हाईस्कूल की मेधावी छात्रा प्रियंका कुशवाहा को एक दिन का डीएम बनाया गया। उन्होंने जनता दर्शन में समस्याएं सुनकर कार्रवाई के निर्देश दिये। शामली डीएम अरविंद चौहान ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत जिले की इंटर की टॉपर आकांक्षा को डीएम बनाया गया। उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतों को सुनकर निस्तारण के निर्देश दिये। सीतापुर डीएम अभिषेक आनंद ने बताया कि बेटी अर्पिता सिंह को एक दिन का डीएम, प्रतीक्षा सिंह को एसपी, संध्या मिश्रा को सीडीओ बनाया गया। बेटियों ने जनसुनवाई कर समस्या का निस्तारण किया। महराजगंज के डीएम अनुनय झा ने बताया कि अष्टमी पर हाईस्कूल की जिले की टॉपर निधि यादव को एक दिन का डीएम बनाया गया। उन्होंने 8 शिकायतें सुनीं और एक का तुरंत निस्तारण किया। जिलाधिकारी न्यायालय का दौरा कर निधि ने मुआवजे से संबंधित मामलों को देखा। एनएच हाईवे के मुआवजे को तेजी से वितरित करने के निर्देश दिये। इसके अलावा बृजमनगंज ब्लॉक का भी निरीक्षण किया। महराजगंज एसपी सोमेंद्र मीना ने बताया कि गोल्डी को एक दिन का एसपी बनाया गया। एसपी गोल्डी ने 5 शिकायतें सुनकर दो का तुरंत निस्तारण किया। उन्होंने अधिकारियों को महिला संबंधी मामलों में लापरवाही न करने के निर्देश दिये। इसके अलावा वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया।

श्रावस्ती की सांकेतिक डीएम रश्मि ने देखी डाक फाइलें, एसपी सरिता ने दिया रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश

श्रावस्ती डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि कक्षा-12 की रश्मि कसौधन को एक दिन का डीएम, प्राची तिवारी को एडीएम और रीना को एसडीएम बनाया गया। डीएम रश्मि ने डाक फाइलों पर हस्ताक्षर किये और जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं को सुना। एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि कक्षा-11 की मेधावी छात्रा सरिता कुमारी को एक दिन का एसपी बनाया गया। इसी विद्यालय की लक्ष्मी को एएसपी बनाया गया। एसपी सरिता ने भवानीनगर थाना को एक मामले में इंस्पेक्टर को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिये। इस पर एफआईआर दर्ज की गयी। ललितपुर डीएम अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि कक्षा-9 की बेटी शिवानी राजपूत को डीएम बनाया गया। तहसील की बेटियों को एसडीएम बनाकर जनसमस्याओं का निस्तारण कराया गया। बेटियों ने 114 जनसमस्याएं सुनीं और 27 का मौके पर निस्तारण किया। झांसी डीएम अविनाश कुमार ने बताया कि छात्रा अदिति साहू को डीएम बनाया गया। वहीं रामपुर डीएम जोगिंदर सिंह ने बताया कि कक्षा 10 की मेधावी कामिनी गंगवार को एक दिन का डीएम बनाया गया। उन्होंने जनसुनवाई की। ब्लॉक का निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति जानी और अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। कासगंज डीएम मेधा रूपम ने बताया कि मिशन शक्ति के तहत टॉपर भूमिका को एक दिन की डीएम बनाया गया। डीएम भूमिका ने संपूर्ण समाधान दिवस पर तहसील कासगंज में लोगों की समस्याएं सुनकर निस्तारण किया।

24 औद्योगिक क्षेत्रों में व्यापक कायाकल्प की प्रक्रिया पूरा कराएगी योगी सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार प्रदेश में इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण व विकास पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है। प्रदेश के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में अवस्थापना समेत तमाम सुविधाओं का विकास किया जा रहा है और इसमें निवेश समेत विभिन्न परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के काम में तेजी लाई जा रही है। इसी क्रम में, 24 औद्योगिक क्षेत्रों के व्यापक कायाकल्प की प्रक्रिया को पूरा करने पर योगी सरकार फोकस कर रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को इन कार्यों की पूर्ति का जिम्मा सौंपा गया है।

कार्य योजना के अनुसार, यूपीसीडा द्वारा आगरा, मथुरा, मेरठ, गोरखपुर, संत कबीर नगर, मऊ, कानपुर, लखनऊ व रायबरेली में फुल डेप्थ रीक्लेमेशन (एफडीआर) तकनीक से सड़कों के निर्माण समेत अन्य अवस्थापनात्मक सुधार की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। इन कार्यों में स्ट्रीट लाइटिंग, सीसीटीवी, टेलीफोन स्टेशन, सब स्टेशन, स्ट्रीट फर्नीचर, बाउंड्री वॉल, एंट्री गेट समेत विभिन्न सुविधाओं विकास शामिल है। प्रक्रिया के अंतर्गत कुल 4,025 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा।

6 पैकेट्स में बांटकर औद्योगिक क्षेत्रों की विकास प्रक्रिया की जाएगी पूरी

सीएम योगी के विजन अनुसार, जिन 24 औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क निर्माण समेत विभिन्न प्रकार के इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन होना है उन्हें 6 पैकेट्स में विभाजित किया है। पहले पैकेट में आगरा के ईपीआईपी नगर, फौदारी नगर तथा सिकंदरा (साइट ए, बी, सी) तथा मथुरा साइट ए शामिल हैं। ये क्रमशः 105.45, 183.28, 50.70, 17.79, 183.31 तथा 348.87 एकड़ क्षेत्र में अवस्थित हैं। वहीं, पैकेज 2 में जेपी नगर गजरौला (1 व 2) तथा बरेली के परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र चिह्नित हैं। इनका क्षेत्रफल क्रमशः 423.58 तथा 273.34 एकड़ है। तीसरे पैकेज में मेरठ के स्पोर्ट्स गुड्स कॉम्पलेक्स, साइट 2 लोनी रोड, साइट 3, लोनी इंडस्ट्रियल एरिया मेरठ रोड व उद्योग कुंज डासना चिह्नित हैं। इनके क्षेत्रफल क्रमशः 2.32, 307, 350.95, 12.50, 115.20 व 58.06 एकड़ हैं। चौथे पैकेज में गोरखपुर, संत कबीर नगर व मऊ में क्रमशः 50.20, 234.58 व 103.61 एकड़ में स्थापित औद्योगिक क्षेत्रों में विकास प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

कानपुर, लखनऊ और रायबरेली के औद्योगिक क्षेत्रों में भी होगा विकास

इसी प्रकार, प्रक्रिया के अंतर्गत पैकेज 5 में कानपुर के पनकी साइट 1, 2, 3, 4, 5 व चकेरी में क्रमशः 240.60, 112.50, 211.60, 27.40, 147.64 व 114.30 एकड़ क्षेत्रफल में स्थापित इंडस्ट्रियल एरिया में विकास प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। इसी प्रकार, पैकेट 6 में लखनऊ के सरोजनी नगर के 87.59 तथा रायबरेली के साइट-1 व 2 में क्रमशः 42.99 व 220 एकड़ क्षेत्र में अवस्थित औद्योगिक क्षेत्रों में विकास प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

31 प्रकार के विकास व अपग्रेडेशन कार्यों को किया जाएगा पूरा

-सीएम योगी के विजन अनुसार, कार्य योजना में चिह्नित सभी विकास व अपग्रेडेशन कार्यों को पूरा करने के बाद इन्हें संबंधित नगर निगम व नगर पालिका को सौंपा जाएगा। इसके लिए डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जा रही है जिसके जरिए चिह्नित कार्यों को पूरा करने का चरणबद्ध एक्शन प्लान तैयार होगा। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए डीटेल्ड सर्वे व साइट एनालिसिस को प्रयोग में लाया जाएगा।

जन समस्याओं का त्वरित गति से किया जाए निदान : केशव प्रसाद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति को हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को अपने कैम्प कार्यालय - 7 कालीदास मार्ग पर विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु

सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनता दर्शन में भूमि विवाद, दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, स्कूल निर्माण, भूमि पट्टा, कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे रू-ब-रू होकर सुना। उप मुख्यमंत्री से आज भारी संख्या में जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों ने भी मुलाकात की। जनता दर्शन में लगभग 03 दर्जन जिलों से आये कई सैकड़ा लोगों ने आकर अपनी समस्याएं रखी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत अयोध्या, बागपत, कासगंज, हापुड़, लखीमपुर व मैनपुरी के जिलाधिकारी, सन्त कबीर नगर के मुख्य विकास अधिकारी, आगरा के पुलिस कमिश्नर आगरा, झांसी व आजमगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए। जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में उन्होंने सम्बन्धित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाय।

उर्दू की वैकल्पिक प्रवीणता परीक्षा हेतु आवेदन 05 नवंबर 2024 तक आवेदन किए जा सकते हैं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी भाषा विभाग के नियंत्रणाधीन जूनियर हाईस्कूल/हाईस्कूल स्तर की उर्दू की वैकल्पिक प्रवीणता परीक्षा (राजकीय अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु वैकल्पिक उर्दू प्रवीणता परीक्षा) योजनान्तर्गत सचिव, परीक्षा नियामक पाधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा दिनांक 10,11 एवं 12 दिसम्बर, 2023 को आयोजित की जा रही है।

महाकुंभ में सुगम यातायात एक लिये स्मार्ट ट्रैफिक व्यवस्था लागू कर रही है योगी सरकार

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में दिव्य ,भव्य और सुव्यवस्थित महाकुंभ के आयोजन के लिए योगी सरकार द्वारा की जा रही तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। सरकार महाकुंभ पहुंचने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के अनुभव स्मरणीय बनाने के लिए कई अभिनव प्रयास कर रही है। सड़क यातायात सुगम बनाना इसी का एक हिस्सा है जिसे लेकर एक बड़ा प्रोजेक्ट कुंभ नगरी में धरातल में उतारा जा रहा है।

39 ट्रैफिक जंक्शन का हो रहा है निर्माण

सड़क मार्ग से प्रयागराज की पहुंच को सरल बनाने के साथ-साथ शहर में यातायात व्यवस्था को नया स्वरूप देने के लिए पहली बार शहर में 39 ट्रैफिक जंक्शन का निर्माण किया जा रहा है। अपर कुंभ मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी बताते हैं कि महाकुंभ के पूर्व शहर में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित स्वरूप देने के लिए 39 ट्रैफिक जंक्शन बनाए जा रहे हैं। तकरीबन 50 करोड़ के बजट से इनका निर्माण हो रहा है। इसके टेंडर जारी हो चुके हैं । महाकुंभ के आगंतुकों के लिए ये सुगम यातायात और सौंदर्यीकरण का माध्यम बनेंगे । ट्रैफिक जंक्शन के निर्माण के पूर्व एक एजेंसी के माध्यम से उन चौराहों का सर्वे भी कराया गया है जहां आवागमन में ट्रैफिक की समस्या ज्यादा रहती है। इसके बाद इन जंक्शन का डिजाइन बनाया गया है।

सुगम यातायात और खूबसूरत लुक का फ्यूजन होंगे जंक्शन

शहर में यातायात व्यवस्था को स्मार्ट बनाने के लिए पहली बार बनाए जा रहे ये ट्रैफिक जंक्शन बहु उपयोगी होंगे । इन्हें उस आकार में डिजाइन किया गया है कि ये ट्रैफिक को अच्छी तरह से व्यवस्थित कर सकें । अपर कुंभ मेला अधिकारी के मुताबिक इसके लिए ट्रैफिक जंक्शन में आइलैंड तैयार किए जा रहे हैं। उसी के मुताबिक इनका आकार छोटा या बड़ा किया जायेगा। जंक्शन में स्मार्ट सिग्नल ट्रैफिक व्यवस्था होगी जो पूरी तरह स्वचालित होगी। जंक्शन को खूबसूरत लुक देने के लिए शेष बचे स्थान में स्कल्पचर और आकर्षक लाइट्स भी लगाई जाएंगी। जंक्शन के अंदर ही हरित पट्टिका भी बनेगी जिसमें छोटे आकार के सजावटी पौधे रोपित किए जाएंगे। ये ट्रैफिक जंक्शन कुंभ के स्नान पर्वों में आने वाली भीड़ के प्रबंधन में उपयोगी होंगे। कुंभ के समापन के बाद भी शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने में इनकी उपयोगिता बनी रहेगी।

माटीकला बोर्ड का 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण रू नि:शुल्क प्रशिक्षण और मानदेय के साथ आवेदन आमंत्रित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रशिक्षण मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, डालीगंज, लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सजावटी वस्तुएं, खिलौने, मूर्तियां और मिट्टी के उत्पादों पर कटिंग-चित्रकारी, नक्काशी आदि विद्याओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्णतया आवासीय होगा, जिसमें प्रशिक्षार्थियों के रहने और भोजन की व्यवस्था निःशुल्क होगी। साथ ही, प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को 250 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मानदेय भी दिया जाएगा। जो भी परम्परागत कारीगर, मूर्तिकार या अन्य माटीकला से जुड़े कारीगर इस प्रशिक्षण में भाग लेना चाहते हैं, वे 17 अक्टूबर, 2024 तक अपने आवेदन पत्र जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, 8 कैप्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ में जमा कर सकते हैं।

17 अक्टूबर को धूमधाम से महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाएगी योगी सरकार

- सभी जनपदों में कराए जाएंगे श्रीराम चरित मानस पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन
- योगी सरकार का निर्देश- जनपद, तहसील व विकासखंड स्तर पर कराए जाएं कार्यक्रम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार 17 अक्टूबर को धूमधाम से वाल्मीकि जयंती मनाएगी। इस दौरान अनेक भव्य कार्यक्रम होंगे। इस दिन मंदिरों में श्रीराम चरित मानस पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन, कीर्तन आदि कराए जाएंगे। महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली चित्रकूट में वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। योगी सरकार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थानीय कलाकारों को आध्यात्मिक मंच देगी।

योगी सरकार के निर्देशानुसार 17 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में वाल्मीकि जयंती मनाई जाएगी। महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों-मंदिरों आदि पर दीप प्रज्ज्वलन, दीपदान के साथ-साथ रामायण पाठ कराए जाएंगे। यह कार्यक्रम जनपद, तहसील व विकास खंड स्तर पर होंगे। सीएम योगी ने हर आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, ध्वनि, प्रकाश व सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था कराने का निर्देश दिया है।

महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली लालापुर चित्रकूट में होगा वृहद आयोजन

योगी सरकार महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली लालापुर चित्रकूट में वृहद आयोजन कराएगी। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव को कार्यक्रम का नोडल बनाया गया है। श्रीवास्तव ने बताया कि लालापुर में महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ सुबह11 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। भगवती जागरण मंच और दयाराम रैकवाड़ व टीम की तरफ से आध्यात्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस दौरान पूजन-हवन, भजन, वाल्मीकि रामायण पाठ, लवकुश प्रसंग आदि के भी कार्यक्रम होंगे। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी और जनसहभागिता भी रहेगी।

श्रीराम मंदिर-हनुमान मंदिरों में भी होंगे आयोजन

जनपदों में स्थित प्रभु श्रीराम मंदिर, हनुमान मंदिरों व रामायण से संबंधित मंदिरों में कार्यक्रम होंगे। इसमें स्थानीय कलाकारों को मंच उपलब्ध कराया जाएगा। जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा जनपद में चयनित मंदिरों व स्थलों पर कार्यक्रम के लिए कलाकारों का चयन किया गया है। इसका समन्वय संस्कृति विभाग, सूचना-जनसंपर्क विभाग, जिला पर्यटन व संस्कृति परिषद द्वारा किया जाएगा। हर जनपद में आयोजन के लिए नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। योगी सरकार ने कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ जनसहभागिता पर भी जोर दिया है।

पीएम पोषण योजना के तहत 2024-25 में अब तक प्रदेश में करीब 80 प्रतिशत धनराशि का हुआ व्यय

12 अक्टूबर 2024 तक कुल उपलब्ध 686 करोड़ में से 540 करोड़ से ज्यादा धनराशि का हुआ उपयोग

- विभिन्न मदों की पूर्ति के लिए समस्त जनपदों को आवंटित की गई कुल 668 करोड़ रुपए की धनराशि

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में छात्र एवं छात्राओं को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के लिए संचालित पीएम पोषण योजना के अंतर्गत योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक कुल उपलब्ध राशि का 80 प्रतिशत उपयोग करने में सफलता प्राप्त की है। पीएम पोषण योजना के तहत केंद्रांश और राज्यांश

को मिलाकर कुल 686 करोड़ रुपए से ज्यादा की धनराशि उपलब्ध थी, जिसके सापेक्ष योगी सरकार ने समस्त जनपदों को 12 अक्टूबर तक कुल 667 करोड़ रुपए से ज्यादा की धनराशि आवंटित की। इसमें 12 अक्तूबर तक 540.66 करोड़ रुपए का व्यय किया गया, जो कुल उपलब्ध राशि का 78.82 प्रतिशत है।

मालूम हो कि केंद्र सरकार ने सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में गर्म पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने के लिए'प्रधानमंत्री पोषण योजना' को मंजूरी दी है। यह योजना स्कूलों में मिड-डे मील योजना के मौजूदा राष्ट्रीय कार्यक्रम का स्थान लेगी। इसे पांच वर्ष (2021-22 से 2025-26) की शुरुआती अवधि के लिए लॉन्च किया गया है। इसके तहत हाल ही में मुख्य सचिव की अगुवाई में हुई समीक्षा बैठक में योजना से आच्छादित विद्यालयों में अध्ययनरत समस्त छात्रों को अतिरिक्त सप्लीमेन्ट्री न्यूट्रीशन दिए जाने का भी निर्णय लिया गया है।

2024-25 में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत खाद्यान्न लागत, परिवर्तन लागत, रसोईयां मानदेय, परिवहन लागत और एमएमई जैसे मदों के लिए पेमेंट अप्रूवल बोर्ड (पीएबी) द्वारा 2198.27 करोड़ रुपए की राशि का अनुमोदन किया गया है। इसके तहत विगत वित्तीय वर्ष का 280.83 करोड़ रुपए अवशेष है, जबकि 405.14 करोड़ रुपए भारत सरकार द्वारा अवमुक्त किया जा चुका है।

इस तरह राज्य सरकार के पास कुल 686.97 करोड़ रुपए योजना के लिए उपलब्ध है। इसी धनराशि में से राज्य सरकार की ओर से समस्त जनपदों को 667.77 करोड़ रुपए की धनराशि 12 अक्तूबर तक आवंटित कर दी गई है तो वहीं जनपदों ने छात्र एवं छात्राओं को पका हुआ गर्म भोजन देने के लिए आवंटित धनराशि में से 540.66 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। राज्य सरकार की ओर से योजना के संचालन के लिए द्वितीय किस्त जारी किए जाने का अनुरोध किया गया है।

महाकुम्भ-2025 के अंतर्गत राज्यों की राजधानियां में रोड शो आयोजित किये जायेंगे : जयवीर सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने अगले साल आयोजित होने वाले विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुम्भ-2025 के व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि कुम्भ पूर्व आयोजनों में कुम्भ की अध्यात्मिकता एवं पौराणिकता से युवाओं, महिलाओं एवं छात्रों को जोड़ते हुए प्रदेश एवं अन्य राज्यों की राजधानियों एवं अन्य स्थलों जैसे नासिक, उज्जैन, हरिद्वार में प्रचार-प्रसार रोड शो एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि कराये जाए।

पर्यटन मंत्री आज पर्यटन भवन में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की महाकुम्भ से जुड़ी तैयारियां तथा विभिन्न संचालित परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ को दिव्य तथा अलौकिक बनाने एवं श्रद्धालुओं को भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं इसके गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाए। उन्होंने संस्कृति विभाग को निर्देश दिये कि कुम्भ से पूर्व सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाए तथा प्रदेश के समस्त जनपदों के कलाकारों को प्रचार-प्रसार से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि जो भी कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना चाहते हैं, वह संस्कृति विभाग की वेबसाइट पर अपना पंजीकरण सुनिश्चित करा लें।

जयवीर सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन एवं रोड शो के लिए संस्कृति विभाग तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को जिम्मेदारी दी गयी है। सूचना विभाग द्वारा कुम्भ यात्रा मोबाइल बस पूरे देश में संचालित की जायेगी, जिसके माध्यम से महाकुम्भ की गरिमा, इतिहास तथा इसके पौराणिक महत्व को एलईडी के माध्यम से प्रदर्शित किया जायेगा तथा रोड शो किया जायेगा। इसी प्रकार राज्य के अंदर जनसहभागिता के आधार पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेगे, इसके लिए विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, इण्टर कालेज, स्कूल आदि में आयोजन किया जायेगा। इसका अभिप्राय युवा पीढ़ी के साथ ही उनके परिवार के लोगों को महाकुम्भ में सहभागिता करने के लिए प्रेरित करना है। प्रचार-प्रसार का कार्य 15 दिसम्बर तक प्रदेश के समस्त जनपदों में सम्पन्न कराया जाना है। पर्यटन मंत्री ने यह भी निर्देश दिये कि प्री कुम्भ समिट के अंतर्गत कुम्भ अभिनन्दन रोड शो, कुम्भ लेजर शो, डिजिटल प्रदर्शनी, संगोष्ठी, ऑन स्पॉट कम्प्टीशन, कुम्भ क्वीज, शोज टॉपर प्रस्तुति, भक्तिमय प्रस्तुतियां, फ्यूजन शो, नृत्य नाटिकायें, लोक कलाकारों की प्रस्तुति, लघु फिल्म का आयोजन किया जायेगा। आमजन मानस को ससम्मान जोड़ने के लिए उन्हें आमंत्रित किया जायेगा।

हरियाणा में जीती बाजी हार गई कांग्रेस

अभी हाल ही में देश के दो महत्वपूर्ण राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के बाद अब तस्वीर स्पष्ट हो चुकी है। जहां हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने अप्रत्याशित रूप से लगातार तीसरी बार सत्ता प्राप्त की है, वहीं धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में हुए चुनाव में भाजपा को खासी सफलता नहीं मिली। जम्मू कश्मीर में भाजपा को इस बार कुछ अच्छा होने की प्रत्याशा थी, लेकिन वहां धारा 370 की प्रबल समर्थक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है। इसका आशय यही निकलता है कि जम्मू कश्मीर के घाटी वाले हिस्से में मिला जुला जनादेश मिला है। वहीं हरियाणा की बात की जाए तो इस प्रदेश में कांग्रेस की असफलता का एक बड़ा कारण गठबंधन नहीं होना ही माना जा रहा है। हरियाणा में कांग्रेस को यह ग़ुमान हो गया था कि वह अपने दम पर सरकार बनाने में सफलता हासिल कर लेगी, लेकिन कांग्रेस को एक बार फिर निराश होना पड़ा। कांग्रेस की इस पराजय ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल भी उठाए हैं। यह सत्य है कि अगर हरियाणा में भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों में समन्वय हो जाता तो शायद परिणाम भिन्न हो सकते थे, लेकिन कांग्रेस ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों की अनसुनी करके अपनी पराजय का मार्ग तैयार कर लिया। अब कांग्रेस इस हार को प्रादेशिक नेतृत्व के सिर मढ़कर केंद्रीय नेतृत्व को बचाने की जुगत में लग गई है। जबकि पूरे चुनाव में केंद्रीय नेतृत्व की अप्रत्यक्ष कमान संभाल रहे राहुल गांधी बेहद सक्रिय दिखाई दिए। सभी जानते हैं कि कांग्रेस जीत के प्रति पूरी तरह से आशान्वित थी। यहां तक कि कांग्रेस ने जीत के जुलूस की भी व्यापक तैयारी की थी।

हालांकि हरियाणा में कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। क्योंकि वह सत्ता में नहीं थी। हरियाणा कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व भी इस बात को जानता था कि अगर उसको सत्ता मिल जाती तो इसका श्रेय प्रादेशिक नेताओं को कभी नहीं मिलता, लेकिन हार का हथोड़ा उनके सिर पर ही फोड़ा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि कांग्रेस के अंदर ही प्रादेशिक नेताओं में गंभीर जोर आजमाइश चल रही थी, इसका कारण सत्ता प्राप्ति के मुख्यमंत्री पद की चाहत ही था। लेकिन इस राजनीतिक अस्तित्व को दिखाने और सामने वाले के मिटाने के खेल ने ही कांग्रेस को ज़मीन पर लाकर खड़ा कर दिया है। कांग्रेस हरियाणा में लम्बे समय से सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष कर रही थी। इसका एक कारण यह भी माना जा सकता है कि कांग्रेस के नेताओं ने लम्बे समय तक शासन का सुख भोगा है, इसलिए उनको सत्ता के सुख की आदत सी हो गई है। इस बार हरियाणा में प्रदेश के प्रमुख नेताओं के बीच अलग से एक राजनीतिक युद्ध जैसा दिखाई दे रहा था। हरियाणा में कांग्रेस, भाजपा से कम अपने ही नेताओं से ज्यादा लड़ रही थी। कहा जाता है कि किसी भी प्रकार की लड़ाई में दुश्मन तो स्पष्ट दिखाई देता है, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो दिखते तो बिलकुल दोस्त जैसे ही हैं, लेकिन वे मुंह में राम बगल में छुरी रखकर चलते हैं। जहां अवसर मिलता है, वे सामने वाले के पैर खींचने का काम करते हैं। प्रदेश में कांग्रेस नेताओं के बीच इसी प्रकार की दुश्मनी दिखाई दी। प्रदेश की प्रमुख महिला नेता शैलजा तो जैसे कोपभवन में ही बैठ गई थीं। वे जब सक्रिय हुई तब तक कांग्रेस बहुत प्रचार अभियान में बहुत पीछे जा चुकी थी।

हरियाणा की राजनीतिक स्थिति का आकलन किया जाए तो बहुत पहले यह परिलक्षित होने लगा था कि इस बार भाजपा की सरकार नहीं बन सकती। क्योंकि हरियाणा में भाजपा के विरोध में किसान और पहलवान एक प्रकार से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए देश भर के आंदोलनों के सूत्रधार बने हुए थे, कांग्रेस चाहती तो इस वातावरण का राजनीतिक लाभ प्राप्त कर सकती थी, लेकिन कांग्रेस के नेता स्थिति का अध्ययन इसलिए नहीं कर सके, क्योंकि वे इस बात के लिए पूरी तरह आश्वस्त हो चुके थे कि कांग्रेस की सरकार बनने से कोई रोक नहीं सकता। बस कांग्रेस यहीं बड़ी चूक कर गई और हरियाणा में कांग्रेस के सपने एक बार फिर चकनाचूर होते चले गए। ऐसे अब कांग्रेस को सिरे से चिंतन और मंथन करने की आवश्यकता है। हालांकि देश में 2014 के बाद विभिन्न प्रकार के 47 चुनाव हुए, जिसमें से 36 चुनावों में कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा। हर पराजय के बाद कांग्रेस में चिंतन और मंथन करने की बात की जाती है, लेकिन इस चिंतन में शीर्ष नेतृत्व पर उंगली उठाने का साहस किसी में नहीं होता। अंततः वही होता है, जैसा राहुल गांधी चाहते हैं। वर्तमान में भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन उनकी भूमिका कितनी निर्णायक होती है, यह सभी जानते हैं। हरियाणा में भाजपा की पुनः सरकार बनने का रास्ता अब साफ हो गया है, लेकिन कई मायनों में इसे भाजपा की सफलता नहीं माना जा सकता। चुनाव से पूर्व के राजनीतिक हालात भाजपा के पक्ष में कभी भी दिखाई नहीं दिए और न ही भाजपा सरकार के कामकाज से जनता प्रसन्न ही थी। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को सत्ता के सिंहासन से उतार कर भाजपा ने यह संकेत तो कर ही दिया था कि भाजपा के पक्ष में सब कुछ ठीक नहीं था। भाजपा ने मुख्यमंत्री बदल कर इस माहौल को परिवर्तित करने का प्रयास किया।

राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कर पाएंगे प्रशांत किशोर?

बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे?

उमेश चतुर्वेदी

पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान तमाम रैलियों का गवाह रहा है, लेकिन इस मैदान में आधी सदी के अंतर पर हुई दो रैलियों में कम से कम बिहार की अवाम एक समानता देख रही है। पांच जून 1974 को 72 साल के बुजुर्ग जेपी ने संपूर्ण क्रांति का नारा देकर इंदिरा की सर्वशक्तिमान सत्ता को उखाड़ने की पूर्व पीठिका रच दी थी। इस बार इंदिरा की सत्ता उखाड़ने जैसा कोई लक्ष्य तो नहीं है, लेकिन गांधी जयंती के अगले दिन तीन अक्टूबर को 47 साल के प्रशांत किशोर से बड़ी उम्मीदें लगा रखी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के जरिए जनसुराज की बयार बिहार की धरती पर बहा पाएंगे या फिर बदलाव की राजनीति का दावा करने वाले दूसरे लोगों की तरह वे भी पारंपरिक राजनीति का ही हिस्सा बन जाएंगे? वैसे बिहार में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्हें ठीक उसी तरह प्रशांत किशोर से उम्मीद नहीं है, जैसी नाउम्मीदी पारंपरिक दलों से है। बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे? बिहार में यूं तो छोटे-बड़े कई राजनीतिक दल हैं, लेकिन मोटे तौर पर राज्य की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाले गठबंधन में तमाम तरह की वैचारिकी वाले कई दल शामिल हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी तो है ही, वामपंथी दल भी हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की अगुआई में नीतीश कुमार का जनता दल यू, जीतनराम मांझी की हम, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी शामिल है। इस दो खेमे की राजनीति के बीच में यह सवाल उठना वाजिब है कि क्या प्रशांत किशोर इन दोनों गठबंधनों के बीच अपनी तीसरी राह बना पाएंगे ?

बिहार की राजनीति का जब भी संदर्भ आता है, गर्व भाव से उसे याद किया जाता है। प्रथम स्वाधीनता संग्राम में बिहार के बेटे ने कुंवर सिंह ने जहां देश को नई दिशा दिखाई, स्वाधीनता संग्राम में जयप्रकाश नारायण ने भी नौजवानों को उसी अंदाज में जगा दिया था। इन्हीं जयप्रकाश को दूसरी आजादी का नायक का भी सम्मान हासिल है। बिहार की राजनीति का जब भी बखान होता है, तब इन ऐतिहासिक चरित्रों के हवाले से यह दावा जरूर किया जाता है कि बिहार की राजनीति भविष्य की राजनीति को प्रभावित करती है। इसे उलटबांसी ही कहा जा सकता है कि जिस बिहार की धरती का गौरवबोध वैशाली के गणतंत्र से भर उठता है, जिसे बुद्ध और महावीर की धरती का गौरव हासिल है, उसी बिहार की धरती आज के दौर में जातिवादी राजनीति में ही अपना आज का गौरव ढूंढने में गर्व महसूस करती है। दिलचस्प यह है कि बिहार की राजनीति को लेकर गर्वबोध से भरा रहने वाला समाज भी अपनी धरातली सोच में जातिवादी बोध को अलग नहीं कर पाता। फिर भी बिहार में एक वर्ग ऐसा भी है, जो बिहार के मौजूदा पिछड़ेपन से चिंतित रहता है। जिसे इस यह बात सालती है कि उसके राज्य के हर गांव की जवान आबादी का बड़ा हिस्सा दुनियाभर में दिहाड़ी मजदूर बनने को मजबूर है। इसी वर्ग की उम्मीद बनकर प्रशांत किशोर उभरे हैं। प्रशांत किशोर से आस लगाए वर्ग को बिहार की दरिद्रता, बिहारी लोगों का राज्य के बाहर मिलने वाला अपमान सालता है। इसलिए वे चाहते हैं कि प्रशांत किशोर उभरें और राज्य की जाति-धर्म वाली राजनीति को बदलें। बिहार की बदहाली को दूर करें। किसी भी नया काम करने वाले को समाज पहले हंसी उड़ाता है, इसके बावजूद अगर वह रूका नहीं तो उसे कुछ उपलब्धियां हासिल होने लगती हैं। इससे समाज के स्थापित प्रभु वर्ग को परेशानी होने लगती है। तो वह उन उपलब्धियों की अनदेखी करने लगता है। फिर भी व्यक्ति रूकता नहीं तो उसकी उपलब्धियों को वही समाज नोटिस लेने लगता है और आखिर में उसे सर आंखों पर बैठा लेता है। प्रशांत किशोर इस प्रक्रिया के दो चरणों को पार कर चुके हैं। अब उनकी उपलब्धियों का बिहारी राजनीतिक दल नोटिस लेने लगे हैं। हालांकि उन्हें बार-बार पांडेय बताकर जातिवादी त्रिशूल से उन्हें बेधने की राजनीतिक कोशिश भी हो रही है। दिलचस्प यह है कि उनके ब्राह्मण होने का प्रचार बार-बार आरजेडी की तरफ से हो रहा है। जिसका पूरा राजनीतिक वजूद ही मुस्लिम और यादव समीकरण पर टिका है।

प्रशांत किशोर ने दो साल तक लगातार बिहार की पदयात्रा की है। जनसुराज यात्रा के नाम से हुई इस यात्रा के जरिए उन्हें ज्यादातर उत्तरी बिहार को अपने कदमों तले नापा है। इसके जरिए उन्होंने अपना बड़ा समर्थक वर्ग तैयार किया है। जिसमें जाति और धर्म से इतर सोचने वाले युवाओं की अच्छी-खासी फौज है। तीन अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में इस वर्ग की उपस्थिति जहां प्रशांत किशोर से आस लगाने का आधार उपलब्ध कराती है तो बिहार के दूसरे पारंपरिक दलों के लिए चिंता का सबब भी बनती है। इसी चिंता से बिहार के पारंपरिक दल चिंतित हैं। राजनीतिक दल उस दल के उभार से ज्यादा चिंतित होते हैं, जिनसे उनके पारंपरिक आधार वोट बैंक के छीजने का खतरा ज्यादा होता है। लेकिन प्रशांत किशोर हर वर्ग के उन युवाओं के प्रेरणा केंद्र बनते दिख रहे हैं, जिनके लिए बिहार का बदलाव प्राथमिक लक्ष्य है। जिन्हें यह बदलाव जाति और धर्म की बजाय मेरिट पर होने की उम्मीद है। लेकिन क्या प्रशांत किशोर इस जाति-धर्म की राजनीति से सचमुच दूर हैं? बिहार की राजनीति पिछली सदी के नब्बे के दशक से कमंडल और मंडल खेमे के बीच झूलती रही है। जाति और धर्म की अनदेखी करने का दावा करने वाले प्रशांत किशोर इससे आगे दलितवाद की ओर आगे बढ़ते दिख रहे हैं। दिलचस्प यह है कि उनकी टीम में केजरीवाल की टीम जैसे पूर्व नौकरशाह और समाजसेवी की भीड़ दिखती है।

जनता दल, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद रहे देवेंद्र यादव, जनता दल यू के पूर्व राज्यसभा सांसद एवं पूर्व राजनयिक पवन वर्मा, पूर्व राजनयिक मनोज भारती प्रशांत किशोर के सहयोगी हैं। देवेंद्र यादव के सितारे इन दिनों गर्दिश में हैं तो पवन वर्मा को बाद के दिनों में नीतीश ने भाव नहीं दिया। जिस तरह केजरीवाल की राजनीति से उन लोगों ने ज्यादा उम्मीद लगाई और साथ दिया, जिन्हें पारंपरिक दल तवज्जो नहीं देते थे, कुछ वैसा ही हाल प्रशांत किशोर की नवेली पार्टी का भी दिख रहा है। ऐसे में शक की गुंजाइश बढ़ जाती है कि प्रशांत भी ताकत पाकर कहीं केजरीवाल की पार्टी के अवसरवादी और नाटकबाजी राजनीति की कॉपी ना बन जाएं। इतिहास भी इसकी गवाही देता है। बदलाव की राजनीति को लेकर असम गणपरिषद बनी, सत्ता तक पहुंची, लेकिन वह पारंपरिक राजनीति की ही धार में समा गई। केजरीवाल की पार्टी को सब देख ही रहे हैं। इसलिए प्रशांत किशोर को लेकर शक होना स्वाभाविक है। लोहिया और जयप्रकाश मानते थे कि सत्ता में दलों का बदलने की बजाय जरूरी है कि तंत्र में बदलाव लाना। फिलहाल प्रशांत किशोर तंत्र यानी व्यवस्था में ही बदलाव का दावा कर रहे हैं। इसी वजह से उनके प्रशंसकों की संख्या बढ़ी है। लेकिन वे ऐसा तभी कर पाएंगे, जब उन्हें बिहार की जनता 2025 के विधानसभा चुनावों में उन्हें मजबूत समर्थन देगी।

अजब-गजब

शैतान बनी बेटी! मां को मारकर शरीर के किए टुकड़े-टुकड़े, फिर ओवन में पकाया और...

एक महिला पर अपनी ही मां की कथित तौर पर बेरहमी से हत्या कर उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े करने का आरोप लगा है। यही नहीं, महिला ने शरीर के अलग-अलग हिस्सों को काटने के बाद उसे ओवन में पका दिया। नृशंस हत्या की सूचना पर जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो घर के अंदर का मंजर देखकर सहम गई। पुलिस को घर में खून से सने गद्दे, बालों का ढेर और शरीर के अंगों के टुकड़े मिले, जिन्हें बेटी ने घर के अंदर और बाहर इधर-उधर फेंक दिया था। आइए जानते हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ, जो एक बेटी शैतान बन गई। रोंगटे खड़े कर देने वाली यह घटना अमेरिका के केंटुकी में हुई, जहां 32 साल की टोरिलेना फील्ड्स पर अपनी ही मां टूडी फील्ड्स की बेरहमी से हत्या करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, वो जादू-टोना का अभ्यास करती ती, जिससे उसकी मां के साथ संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। इस हत्या के पीछे मानसिक अस्थिरता या अन्य गहरे मनोवैज्ञानिक कारण हो सकते हैं, जिन्हें जांच के दौरान और स्पष्ट किया जाएगा।

इस खौफनाक घटना की सूचना एक व्यक्ति ने दी, जो टोरिलेना के घर किसी काम के सिलसिले में गया था, लेकिन घर में इधर-उधर फैले लाश के टुकड़ों को देखकर बुरी तरह सहम गया। इसके बाद किसी तरह वहां से भागकर फौरन पुलिस को सूचना दी।

केंटुकी स्टेट पुलिस ने बताया कि उन्हें बीते बुधवार को एक व्यक्ति का कॉल आया, जिसमें उसने घबराते हुए बताया कि उसने एक घर के अंदर महिला का क्षत-विक्षत शव देखा है। लेकिन जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो टोरिलेना ने दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया। इसके बाद जब पुलिस घर के पिछले दरवाजे के पास पहुंची, तो वहां का नजारा देखकर सन्न रह गई। पुलिस को वहां किसी की बेरहमी से हत्या कर उसके शरीर को घसीटे जाने के निशान मिले।

इसके बाद जब पुलिस अंदर घुसी, तो उन्हें ओवन में भी मानव शरीर के कुछ अंग रखे मिले। पुलिस को सूचना देने वाले प्रॉपर्टी डीलर व्यक्ति ने यह भी बताया था कि उसने टूडी को आखिरी बार बीते मंगलवार को देखा था, जब वह उसे छोड़ने गेट तक आई थी। घर में बेटी के अलावा और टूडी के साथ और कोई नहीं था।

प्रॉपर्टी डीलर का आरोप है कि टोरिलेना जादू-टोना पर विश्वास करती थी। वह घर में इसकी प्रैक्टिस करती थी, जिसकी वजह से उसकी मां के साथ उसके रिश्ते अच्छे नहीं थे। आरोप है कि वह अपनी मां पर भी जादू-टोना करती थी। पुलिस अब मामले को इस एंगल से जोड़कर भी देख रही है। फिलहाल, महिला को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ जारी है।

ब्लॉग

भाजपा के कथित पराक्रम से पराभूत हरियाणा की जनता

कामेश्वर

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने तैतीस सीटों पर धांधली के आरोप लगाए हैं जिनमें से बीस सीटों के प्रामाणिक दस्तावेज जुटाकर चुनाव आयोग को अभ्यावेदन किया है और शेष तेरह सीटों के दस्तावेजी सबूत जल्द प्रस्तुत करने की बात कही गई है। मुख्य आरोप यह है कि मतदान पश्चात जिन ईवीएम की बैटरियों में 99 फीसदी चार्जिंग होना पाया गया है उनमें सत्तर से अस्सी फीसद वोट भाजपा को मिले हैं। जिनमें 60-70 फीसदी चार्जिंग प्रदर्शित है उनमें कांग्रेस आगे है। डिजिटल न्यूज़ चैनलों के साथ-साथ मुख्यधारा की मीडिया ने भी कहा कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव में विपक्ष की लहर है। हरियाणा में चुनाव कांग्रेस नहीं जनता लड़ रही है। चुनाव क्षेत्रों में न्यूज़ चैनलों के इंटरव्यू में ऐसा दिखता भी था। एक्ज़िट पोल में बताया गया कि हरियाणा में कांग्रेस पचास से लेकर बहत्तर सीट पाने जा रही है। भाजपा पंद्रह से लेकर बत्तीस तक सिमट जाएगी। फील्ड में घूमने वाले और न्यूज़ चैनलों पर बहस करने वाले पत्रकार भी यही बता रहे थे। कुछ पत्रकारों ने तो यहां तक दावा किया कि अगर नतीजे ऐसे ही नहीं आए तो वे पत्रकारिता छोड़ देंगे।

चुनाव विश्लेषण करने वाले योगेंद्र यादव ने भी कहा कि हरियाणा में कांग्रेस की हवा चल रही है, यह आंधी भी हो सकती है। और ज़्यादा चली तो सुनामी भी। लेकिन चुनावों के नतीजे उम्मीद के उलट आए तो उन्होंने कहा कि कई बार चुनाव सर्वेक्षक और विश्लेषक माहौल को भांप नहीं पाते। कोई अंडर करंट चल रहा था जिसे वे भी भांप नहीं पाए। ईवीएम की धांधली के सवाल पर उन्होंने कहा कि वे कोई तकनीकी विशेषज्ञ नहीं हैं और उनके पास धांधली का कोई सबूत नहीं है इसलिए इस बारे में वे कुछ कह नहीं सकते। खैर, योगेंद्र यादव ही क्यों, वैकल्पिक मीडिया के कई दिग्गज विश्लेषक भी कथित अंडर करंट को भांप न पाने के लिए खुद को लानत भेजने लगे। उन्हें कांग्रेस पार्टी और नेताओं की वे कमियां, जिन्हें भाजपा प्रचारित कर रही थी, बड़ी दिखाई देने लगीं जिन्हें वे उसकी लहर के सामने नगण्य मानकर उसकी शानदार जीत की भविष्यवाणी कर रहे थे। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा खेमे में मायूसी का आलम था। उन्हें गांवों में घुसने से रोका जा रहा था। उनकी सभाओं और रैलियों में लोग जुट नहीं रहे थे। खट्टर जैसे बड़े नेता तो खुले में प्रचार करने के बजाय बंद हॉलों में प्रचार कर रहे थे। एक चुनाव क्षेत्र में पार्टी के एक कार्यकर्ता द्वारा उम्मीदवार की जीत के प्रति नाउम्मीदी जताए जाने पर उसे हॉल से बाहर निकलवा दिया।

मुख्यधारा की मीडिया द्वारा यह प्रचारित कराया जाने लगा कि हरियाणा कांग्रेस में फूट है। भूपेंद्र हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला अलग-अलग दिशाओं में चल रहे हैं। हुड्डा नहीं चाहते कि पार्टी को पचपन से ज़्यादा सीटें मिले। नहीं, उनकी दावेदारी कमजोर पड़ जाएगी। हाई कमान हावी हो जाएगा। इसलिए हुड्डा आमआदमी पार्टी और सपा के साथ गठबंधन कर ज़्यादा सीटें जीतने के पक्ष में नहीं हैं। टिकट वितरण में उन्होंने हाई कमान की नहीं चलने दी और अपने बहत्तर उम्मीदवार मैदान में उतार दिए। कुमारी सैलजा के कोटे से केवल सात उम्मीदवार उतारे गए इसलिए वे नाराज होकर घर बैठ गईं और न्यूज़ चैनलों को इंटरव्यू देकर अपनी भड़ास निकालने लगीं। पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर ने उन्हें अपनी पार्टी में आने का न्यौता भी दे दिया। सुरजेवाला अपने बेटे को ही जिताने में लगे रहे। राहुल और प्रियंका गांधी ने प्रचार अभियान में उतरने में देरी कर दी। इसी बीच राहुल गांधी अपनी अमरीका यात्रा से लौटे और उनका डंकी वीडियो वाइरल हुआ जिसमें वे डलास में पंद्रह/दस फीट के कमरे में रह रहे हरियाणा के उन डंकी युवाओं से मिले थे। फिर वे करनाल जाकर उन युवाओं के परिवार से भी मिले और हरियाणा में बढ़ रही बेरोजगारी और नशाखोरी का मार्मिक चित्र खींचा। इस तरह हरियाणा में उनके चुनाव प्रचार का आगाज़ हुआ और उनके प्रचार में न आने शिकायत करने वाले चुनाव विश्लेषक कहने लगे, दे आयद, दुरुस्त आयद। फिर राहुल गांधी वहां लगातार वाहन और पैदल चलकर हाईब्रिड यात्रा करने लगे जिसमें डंकियों के बहाने बढ़ती बेरोजगारी और नशाखोरी के संबंध में भावुक अपील करने लगे। किसान (एमएसपी की गारंटी), जवान (अग्निपथ योजना को बंद कर फौज में सामान्य भर्ती, दो लाख रिक्त पदों पर भर्ती), पहलवान (शारीरिक शोषण के खिलाफ न्याय) और संविधान की रक्षा के नारे लगाते हुए छत्तीस बिरादरी की सरकार बनाने की गारंटी देने लगे। इसके अलावा, घोषणा पत्र में महिलाओं, युवाओं, किसानों और आम जनता के लिए सात प्रकार की रेवड़ियां बांटने का ऐलान भी किया। उन्होंने हुड्डा और कुमारी सैलजा का हाथ मिलवाकर उनके बीच मन-मुटाव दूर कर देने का प्रदर्शन भी कराया। मतदान से एक दिन पहले दलित नेता अशोक तंवर को भाजपा से निकाल कर अपनी पार्टी में शामिल करा लिया। उनकी प्रचार यात्रा और रैलियों में भारी भीड़ उमड़ने लगी।

इधर मोदी ने चुनाव प्रचार में अधूरे मन से भाग लिया और फिर चुनाव से हफ्ते भर पहले ही वहां से भाग लिए। उनकी पहली रैली में मुश्किल से पांच हजार लोग जुटाए जा सके। उधर वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल विज खुद मुख्यमंत्री बनने के दावे ठोक रहे थे। नायब सिंह सैनी को अपने विधानसभा क्षेत्र लाडवा में पिछड़ते बताया जाने लगा। खट्टर की अलोकप्रियता के मद्देनज़र उन्हें चुनाव प्रचार और पोस्टरों से गायब कर दिया गया। पोस्टरों में मोदी भी दिखने बंद हो गए। ताकि हार का ठीकरा मोदी के सिर न फूटे।

चुनाव विश्लेषकों द्वारा बार-बार यही कहा जाता रहा कि मतदाता कांग्रेस को जिताने के लिए नहीं, बल्कि भाजपा को हराने के लिए वोट करेंगे। जब नतीजे निकले तो पासा पलट गया। भाजपा 48 सीट जीत गई और कांग्रेस 37 पर सिमट गई। इस नतीजे से सभी भौंचक रह गए। मतदाता भी और चुनाव विश्लेषक भी। चुनावी पंडितों को अपनी समझ पर संदेह होने लगा। आखिर उनसे कहां चूक हो गई? अंडर करंट को वे समझ कैसे नहीं पाए। उन्होंने मान लिया कि सच में कोई अंडर करंट था। सड़क पर जो दिख रहा था वह सही नहीं था। फिर वे भाजपा की जीत को वास्तविक बताने के लिए उसके समर्थन में तर्क गढ़ने लगे-

1.जाट और गैर-जाट के बीच की खाई (मानों, जाटों का कथित अत्याचार संविधान संशोधन से होने वाले नुकसान से ज़्यादा घातक हो।)

2. सीएम पद की खींच-तान (मानों, यह केवल कांग्रेस की ही समस्या रही हो।)

3. अति आत्मविश्वास (मानों, यह केवल कांग्रेस की ही समस्या रही हो। नतीजे निकलने से एक दिन पहले मुख्यमंत्री सैनी भरी सभा में कह रहे थे कि जीत के लिए निश्चिंत रहो। हमने सब व्यवस्था कर दी है। यह अति आत्मविश्वास नहीं था?)

4. इंडिया गुट के सहयोगियों के साथ गठबंधन न करने का फैसला। (चुनाव विश्लेषकों के अनुसार जब मतदाताओं ने भाजपा को उसके जनविरोधी नीतियों के कारण हराने का संकल्प ले लिया था तो वे दूसरे दलों पर अपना अमूल्य वोट क्यों खराब करते?)

5. पन्ना प्रमुखों का संगठनात्मक मशीन। (पन्ना प्रमुख क्या सम्मोहन विद्या जानते हैं जो मतदाता को अपने हित-अनहित सोचने के विवेक को छिन लेते हैं और एक ही दिन में उसके मत को पलट देते हैं। तब तो दूसरे दल कभी चुनाव नहीं जीत सकते।)

दरअसल, मीडिया और चुनाव विश्लेषक जिधर बम उधर हम के कायल दिखे। वे चित भी मेरी और पट भी मेरी की चाल चलने लगे। मुख्यधारा की मीडिया को छोड़ भी दिया जाए तो वैकल्पिक सोशल मीडिया के चुनाव विश्लेषक भी भाजपा की जीत की दबसट में अपने ही अनुमानों को झुठलाने लगे। वैकल्पिक न्यूज़ चैनल का एक एंकर कह रहा था कि भाजपा ने हरियाणा चुनाव अपने पराक्रम से जीत लिया। अब वे जिन बातों को पराक्रम समझ रहे हैं उनकी बानगी कुछ इस प्रकार है-

ईडी, आईटी और सीबीआई के माध्यम से भयादोहन के ज़रिए इलेक्टोरल बांड से संचित किया गया अकूत धन जिसे चुनावी मशीनरी को चुस्त-दुरुस्त किया जाता है, हर बूथ पर पन्ना प्रमुख तैयार किया जाता है और अब तो पन्ना समिति बनाने की तैयारी है। मतदाताओं को भी खूब बांटा जाता है। प्रॉक्सी उम्मीदवारों और वोट कटवा दलों को खड़ा कर उन्हें इफरात पैसा बांटा जाता है। राहुल गांधी पैदल तो चंद्रशेखर हेलीकॉप्टर से प्रचार कर रहे थे। विरोधी पार्टियों के खाते बंद कर दिए जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से खोले भी जाते हैं तो उन्हें सरकार के डर से कोई चुनावी चंदा देना नहीं चाहता। केंद्रीय वित्त मंत्री, भाजपा और अन्य पर भयादोहन का केस चल रहा है। कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश से उन पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। लेकिन अब सीजेआई ने उस केस को अपने पास भेजने का आदेश दे दिया है।

पिछले आम चुनाव में 79 सीटों पर ईवीएम से धांधली का एडीआर द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर केस लंबित है जिसमें न्याय मिलने की संभावना अब तक तो नहीं दिखती। इसी संबंध में 2019 में भी दायर किया गया केस आज तक लंबित चला आ रहा है। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने तैतीस सीटों पर धांधली के आरोप लगाए हैं जिनमें से बीस सीटों के प्रामाणिक दस्तावेज जुटाकर चुनाव आयोग को अभ्यावेदन किया है और शेष तेरह सीटों के दस्तावेजी सबूत जल्द प्रस्तुत करने की बात कही गई है। मुख्य आरोप यह है कि मतदान पश्चात जिन ईवीएम की बैटरियों में 99 फीसदी चार्जिंग होना पाया गया है उनमें सत्तर से अस्सी फीसद वोट भाजपा को मिले हैं। जिनमें 60-70 फीसदी चार्जिंग प्रदर्शित है उनमें कांग्रेस आगे है।

बलात्कार और हत्या के आरोप में सजायाफ्ता बाबा राम-रहीम को पैरोल/फरलो पर बार-बार छोड़कर उसके अनुयायियों को प्रभावित करवाना। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बांड को असंवैधानिक ठहरा कर बंद तो करा दिया। लेकिन इसके माध्यम से इकट्ठे किए गए धन की न तो वसूली करवाई और न इसमें लिप्त मंत्रियों, पदाधिकारियों और संस्थाओं की जांच। इकट्ठा किया गया धन चुनावों को प्रभावित करने में धड़ल्ले से उपयोग हो रहा है। इसी तरह महाराष्ट्र में जोड़-तोड़ और खरीद-फ़रोख्त से बनाई गई सरकार को असंवैधानिक ठहराया गया था, लेकिन बर्खास्त नहीं किया गया।

कांग्रेस में संगठनात्मक कमियां हैं। उसमें भी स्वार्थी नेताओं की कमी नहीं है। पर राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के अभियान पर जनता ने भरोसा करना शुरू कर दिया है। हरियाणा की जनता भाजपा के दस साल के कुशासन से तंग आ चुकी थी। चुनाव विश्लेषक कह रहे थे कि वह कांग्रेस को जिताना नहीं चाहती, पर भाजपा को हराना चाहती है। कांग्रेस की जीत तो इस चुनाव के डिफाल्ट में है। तो क्या उसने भाजपा के कथित पराक्रम से पराभूत होकर उसे जिता दिया। बात गले से नहीं उतरती।

ई रिक्शा में छूटा 'गोल्ड का आइटम', महज एक घंटे में पुलिस ने कैसे दिलाया?

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। गाजीपुर पुलिस का रंग अब धीरे धीरे बदल रहा है। थाने चौकियों से फरियादियों को अब तक डांट फटकार कर भगाने वाली पुलिस अब फरियादियों के लिए पसीने बहा रही है। सोमवार को ही मुंबई के एक आभूषण कारोबारी का बैग ई-रिक्शा में छूट गया था। कारोबारी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। तुरंत पुलिस हरकत में आई और सीसीटीवी खंगालते हुए महज कुछ घंटे में ही ई-रिक्शा को ट्रैस कर लिया। इसके बाद पुलिस ने ई-रिक्शा में से बैग बरामद कर कारोबारी को सुरक्षित वापस लौटा दिया है।

गाजीपुर एसपी डॉ। ईरज राजा के मुताबिक दहिसर मुंबई के रहने वाले आभूषण कारोबारी सुमंत मंडल यहां के सोनारों के साथ मिलकर कारोबार करते हैं। वह सैंपल दिखाकर ऑर्डर लेते हैं और फिर बुकिंग के मुताबिक मुंबई से माल मंगाकर आर्डर की सप्लाई करते हैं। सोमवार को वह कोतवाली थाना क्षेत्र में एक सोनार के यहां सैंपल दिखाने जा रहे थे। ई रिक्शा से वह जयप्रकाश आर्नामेंट हाउस गुरुद्वारा गली के सामने पहुंचे और जल्दी-जल्दी में ई-रिक्शा चालक को किराया दिया और अपना ब्रीफकेस भूलकर दुकान के अंदर चले गए।

कारोबारी को वापस लौटाया ब्रीफकेस

तुरंत घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। इससे पता चल गया कि ई-रिक्शा किस दिशा में गया है। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे से ईरिक्शा का पीछा करते हुए पुलिस ने महज एक घंटे की मशक्कत में उसे ढूंढ निकाला। उस समय तक ई-रिक्शा सैनिक चौराहे पर खड़ा था। फिर चिता मोबाइल और विशेश्वरगंज चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ई-रिक्शा में से कारोबारी का ब्रीफकेस बरामद किया है। इसके बाद कोतवाली प्रभारी दीनदयाल पांडे ने पीड़ित कारोबारी सुमंत मंडल को कोतवाली बुलाकर उनका गोल्ड फोटो फ्रेम वाला ब्रीफकेस उन्हें वापस लौटा दिया।

ई-रिक्शा में ब्रीफकेस छोड़ कर उतर गए थे कारोबारी

इधर, ई-रिक्शा चालक को भी ध्यान नहीं रहा और वह अगली सवारी के लिए आगे बढ़ गया। वहीं दुकान में कुछ देर तक सुमंत सोनार के साथ बातचीत करते रहे और उन्हें माल दिखाने के लिए ब्रीफकेस उठाने की कोशिश की तो ध्यान आया कि वह तो ई-रिक्शा में ही छोड़ कर उतर गए थे। यह सोचते ही उनके होश उड़ गए। दरअसल ब्रीफकेश में 10 लाख से अधिक का माल था। उन्होंने तत्काल मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस भी सूचना मिलते ही रहकत में आ गई।

स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिण्डाल्को प्रतिबद्ध

आर्यावर्त संवाददाता

रेणुकूट। कृषि के पश्चात मछली पालन ग्रामीण परिवेश के लिए महत्वपूर्ण व्यवसायों में से एक है। गांव में यह व्यवसाय न केवल स्वरोजगार को बढ़ावा देता है साथ ही यह स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बहुत लाभप्रद है। यदि मछली पालन सही तकनीक एवं प्रशिक्षण के साथ किया जाए तो यह बहुत लाभदायक व्यवसाय है। गांव में उद्यमिता एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिण्डालको द्वारा सी.एस.आर. के माध्यम से संस्थान के मुखिया एन.नागेश के नेतृत्व एवं सी.एस.आर. प्रमुख अविजित के मार्गदर्शन में मछली पालन परियोजना का कार्यान्वयन किया गया। इस परियोजना अंतर्गत दुद्धी ब्लाक के कुल 8 गाँव - कटौंधी, कटौली, झारोखुर्द, गुलालझरिया, करमदांड, दिघुल, बघाडु एवं निमियाडीह में किसानों का चयन करने उपरांत कुल 14 तालाबों में मछली पालन की शुरूआत की गई। मछली पालन परियोजनांतर्गत सर्वप्रथम महिला एवं पुरूष किसानों को ग्राम कटौंधी में आयोजित मछली पालन प्रषिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्र के मछली पालन विशेषज्ञ धर्मेन्द्र के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के पश्चात संभावित मछली पालकों के तालाबों को सर्वेक्षण किया गया ताकि उचित प्रजाति की मछलियों का पालन उक्त तालाब में हो सके। परियोजना अंतर्गत चयनित लाभार्थीयों को 4 से 5 लोगों का समुह बनाने के लिए प्रेरित किया गया ताकि समूह में मछली पालन का व्यवसाय किया जा सके जिससे परियोजनांतर्गत 14 समुह में लगभग 60 परिवार लाभान्वित हो सकेंगे। इसके पश्चात ग्राम कटौंधी में हिण्डाल्को ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें चयनित सभी लाभार्थियों को तालाब के आकार के अनुसार मछली बीज प्रदान किया गया।

होली पर विवाद-दशहरे पर बदला... मेला देखने गया पर वापस नहीं लौटा, अंकुश मर्डर केस की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के राजघाट थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। खजनी के डोमारघाट का रहने वाला एक लड़का गोरखपुर मेला देखने आया था, लेकिन उसकी चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। कारण, लड़के का अपने साथियों से होली के समय विवाद हुआ था। तभी से आरोपी उसको रास्ते से हटाने के लिए प्लान बना रहे थे। वहीं, इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

अंकुश के चाचा अनिल निषाद ने पुलिस को बताया कि मेरा भतीजा ननिहाल में रहकर पढ़ाई करता था। उस दौरान होली के आसपास उसका विवाद नौवीं में पढ़ने वाले विकास से हो गया था। विकास भी अपने ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। बात बढ़ने पर उसके नाना ने उसको उसके गांव भेज दिया था।

अंकुश की मां मैना देवी ने बताया कि गांव के स्कूल के पास माता रानी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। 11 अक्टूबर को वहां आयोजित कार्यक्रम के दौरान गांव के रामधनुष उर्फ लोलो से अंकुश का विवाद हो गया था। रामधनुष ने अंकुश को जान से मारने की धमकी दी थी। अंकुश के चाचा अनिल निषाद ने बताया कि मेरा भतीजा (15 वर्ष) अंकुश अपने दोस्तों विशाल, नितेश और बिगाड़ू के साथ गोरखपुर मेला देखने आया था। रात करीब 10:00 बजे राजघाट थाना क्षेत्र के अमूरतानी के पास विकास व उसके साथियों ने उसे घेर लिया और पिटाई करने लगे। इस दौरान उन लोगों ने चाकू निकालकर उसके पेट पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। यही नहीं, बचाने के लिए पहुंचे उसके साथियों को भी मारने के लिए दौड़े। फिर साथी राजघाट थाने में पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

तीन भाइयों में सबसे छोटा था अंकुश

पुलिस मौके पर पहुंची तब तक अंकुश की मौत हो गई थी। चाचा ने बताया कि घटना को अंजाम देने में महेवा गांव निवासी विकास निषाद, सुग्रीव निषाद, जितेंद्र, विशाल और प्रदीप शामिल थे।अंकुश अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था। पिता महेंद्र अपने दो बेटों अभिषेक व अंकित के साथ सूरत में काम करते हैं। अंकुश अपनी मां मैना देवी के साथ गांव पर ही रहता था। इस संबंध में एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चाकू भी बरामद हो गया है। साक्ष्यों व तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टीवी चैनल बदलने पर सगे भाइयों में झगड़ा, बड़े ने छोटे भाई को चाकू से गोदा, मौत

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां टीवी चैनल बदलने को लेकर दो सगे भाई आपस में भिड़ गए। चैनल को लेकर वह झगड़ गए। बड़े भाई ने छोटे भाई की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। घटना से इलाके में कोहराम मच गया। पड़ोसियों ने वारदात की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया है। बेटे की मौत की खबर से मां के होश उड़ गए।

घटना थाना नगर कोतवाली नयागांव धमैड़ा की है। पड़ोसियों के मुताबिक, आरोपी हत्यारा भाई नशा करता है। पिता का पहले ही निधन हो चुका है। वह कोई काम धंधा भी नहीं करता था। मां बुलंदशहर में नौकरी करती है। जिस वक्त घटना हुई उस दौरान घर पर कोई नहीं था। आरोपी ने भाई के पेट में कई बार चाकू मारें। हत्या करने के बाद वह घर की छत पर आ गया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए चाकू को बरामद किया है।

चैनल बदलने पर हुआ झगड़ा

घटना के मुताबिक, नयागांव धमैड़ा की रहने वाली अनीता मेहनत मजदूरी कर घर का खर्चा चलाती है। उनके पति का निधन हो चुका है। उसके तीन बेटे हैं। सोमवार की सुबह वह रोजाना की तरह काम पर गई थी। घर पर दो बेटे बिट्टू और अभिषेक मौजूद थे। वे टीवी देख रहे थे। इसी बीच दोनों में चैनल बदलने को लेकर कहासुनी हो गई। वह रिमोर्ट को लेकर झगड़ने लगे। इतने में बड़ा भाई बिट्टू चाकू ले आया और उनसे अभिषेक पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। उसके पेट में कई बार चाकू घोंपा गया। बिट्टू अपने भाई की हत्या कर हाथ में चाकू लेकर मकान की छत पर पहुंच गया।

पुलिस ने आरोपी भाई को किया गिरफ्तार

पड़ोसियों ने बिट्टू को हाथ में चाकू लिए छत पर देखा तो उन्हें शक हुआ। जब उन्होंने घर के अंदर देखा तो वहां अभिषेक का शव पड़ा हुआ था। उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बिट्टू को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वारदात की जानकारी मृतक की मां को दी। खबर सुनते ही वह चीख पड़ी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

निकाह के बीच अचानक गायब हो गया दूल्हा, ढूंढती रही दुल्हन... पांच घंटे बाद लौटा तो बोला- डर गया था

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

शामली। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में निकाह के दौरान दूल्हा अचानक से गायब हो गया। दुल्हन और उसके परिवार वाले दूल्हे को ढूंढते रहे। फोन भी किया लेकिन दूल्हे का कुछ पता न चल सकता। ऐसे में दुल्हन पक्ष ने दूल्हे के पिता और दो रिश्तेदारों को बंधक बना लिया। फिर उन्हें पुलिस को सौंप दिया। तभी पांच घंटे बाद दूल्हे की एंट्री हुई। उसने गायब होने का कारण बताया तो सभी के होश उड़ गए।

दूल्हे ने कहा- मैं निकाह से डर गया था। इसलिए पास में रह रहे रिश्तेदार के घर चला गया था। दूल्हे की बात सुनकर दोनों पक्षों में बड़ी मुश्किल से सुलह हुई। फिर निकाह के बाद दुल्हन को दूल्हे संग ससुराल विदा कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, रविवार को बागपत के गांव टांडा निवासी इसरार की बारात रामडा निवासी हाजी नफीस के घर पहुंची थी। तभी बारातियों के बीच किसी बात को लेकर बवाल मच गया। इस दौरान देखा तो दूल्हा वहां से गायब था। दुल्हन, उसके घर वाले और वर पक्ष के लोग दूल्हे को तलाशने लगे। दूल्हे का जब कोई अता पता नहीं चला तो दुल्हन पक्ष ने दूल्हे के पिता और दो रिश्तेदारों को बंधक बना लिया। किसी ने फिर इसकी सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों बंधकों को आजाद करवाया। तब दुल्हन पक्ष ने पूरी बात उन्हें बताई। पुलिस फिर दूल्हे के पिता और दोनों रिश्तेदारों को लेकर थाने चली गई। पांच घंटे बीते को दूल्हा वापस लौट आया। उसे देख सभी हैरान रह गए। उसने आते ही कहा- मुझे माफ कर दो। मैं डर गया था। इसलिे पास में रहने वाले रिश्तेदार के घर चला गया था। अब मैं लौट आया हूं। मैं निकाह के लिए तैयार हूं।

हर की पैड़ी पर दिवाली तक नहीं लगा पाएंगे डुबकी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार घूमने और हर की पैड़ी पर स्नान की योजना बना रहे हैं तो ठहर जाइए। इस समय गंग नहर की सफाई और गाद हटाने का काम चल रहा है और इसके लिए यहां पर 20 दिनों के लिए स्नान बंद किया गया है। अब दिवाली की रात तक काम पूरा होने के बाद इसे खोला जाएगा। इसकी वजह से हर की पैड़ी और दूसरे गंगा घाटों पर गंगा में डुबकी लगाने के लिए आने वाले श्रद्धालु परेशान हो रहे हैं। यह स्थिति यहां हर साल दशहरा से दिवाली तक देखने को मिलती है।

इस दौरान यहां गंग नहर को बंद कर सफाई कराया जाता है। धर्म नगरी हरिद्वार में चल रही गंगा बंदी की वजह से श्रद्धालु निराश तो हैं ही, हर की पैड़ी के ब्रह्मकुंड पर जलविहीन हो गया है। ऐसे में यहां शरद पूर्णिमा पर भी श्रद्धालु डुबकी नहीं लगा सकते। बता दें कि हरिद्वार के भीमगोडा बैराज से कानपुर तक जाने वाली 570 किलोमीटर लंबी उत्तराखंड गंग नहर का निर्माण साल 1842 में ब्रिटिश इंजीनियर कर्नल पीबी कॉटली के निर्देशन में किया गया था। इसी नहर से नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के एक बड़े हिस्से में पेयजल की आपूर्ति की जाती है।

एस्केप चैनल से प्रवाह बनाए रखने की कोशिश

अब चूंकि नहर की सफाई के लिए इसे बंद कर दिया गया है, ऐसे में इन प्रभावित इलाकों में पानी का संकट पैदा हो सकता है। ऊपरी गंगा नहर के उप प्रभागीय अधिकारी विक्रांत कुमार सैनी के मुताबिक चूंकि यह एक धार्मिक स्थान है, इसलिए लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी ध्यान में रखा जाएगा। इसके लिए हर की पैड़ी और अन्य घाटों पर थोड़ा बहुत जल स्तर को कायम रखा गया है। इसी प्रकार एस्केप चैनल के माध्यम से सती घाट और रास्ते में अन्य महत्वपूर्ण गंगा घाटों पर भी पानी का प्रवाह बना रहेगा।

गंगा महासभा ने जताई आपत्ति

गंगा महासभा के अध्यक्ष तन्मय वशिष्ठ के मुताबिक सिंचाई विभाग की इस कार्रवाई पर आपत्ति की है। उन्होंने कहा कि साफ सफाई तो ठीक है, लेकिन श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार किसी को नहीं है। उन्होंने कहा कि हर की पैड़ी, कुशा घाट, विष्णु घाट और गणेश घाट पर कम से कम 1,000 क्यूसेक पानी का प्रवाह रखना चाहिए।

बलरामपुर में धारदार हथियार से मां-बेटे की हत्या, मृतक की पत्नी-बच्चे घर से गायब

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र के सोनार गांव में मंगलवार को मां-बेटे की सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। धारदार हथियार से वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस अधिकारी मौके पर है।

नगर कोतवाली के सोनार गांव में खेत के बीच बने मकान में रह रहे मुन्नू उर्फ रामलाल (45) व लखराजी (80) का शव कमरे में मिला है। मंगलवार की दोपहर इसकी जानकारी पुलिस को हुई है। मृतक की पत्नी व उसके बच्चे घर से गायब हैं।

प्रथमदृष्टया मामला पारिवारिक रंजिश का बताया जा रहा है। मौके पर पहुंचे एसपी विकास कुमार ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शीघ्र ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

पहाड़ों के शहर में जाना अब आसान... ढाई घंटे में पहुंचेंगे दिल्ली से देहरादून, कब शुरू होगा ये एक्सप्रेसवे?

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। उम्मीद है कि इस एक्सप्रेसवे पर दिसंबर से गाड़ियां फर्राटा भरने लगेंगी। इस एक्सप्रेसवे के बन जाने से दिल्ली से देहरादून जाना आसान हो जाएगा। इस एक्सप्रेसवे को बनाने में करीब 14,285 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। नवंबर के अंत तक एक्सप्रेसवे पूरा बन जाने की उम्मीद है। इसके बाद अधिकारियों की ओर से सेफ्टी ऑडिट होगा। फिर दिसंबर में गाड़ियां इस पर दौड़ने लगेंगी। दिल्ली से देहरादून जाने के लिए कुल 264 किमी का सफर लोग ढाई से तीन घंटे में पूरी कर सकेंगे।

दिल्ली में कई जगह इंट्री और एग्जीट पॉइंट

इस एक्सप्रेसवे पर जाने के लिए दिल्ली में कई जगह इंट्री और एग्जीट पॉइंट बनाए गए हैं। आईएसबीटी-दिलशाद गार्डन मार्ग, खजूरी पुस्ता मार्ग, अक्षरधाम, गांधी नगर-गीता कॉलोनी सहित अन्य जगहों से इस एक्सप्रेसवे पर यात्री चढ़ सकते हैं। दिल्ली में एक्सप्रेसवे में प्रवेश करने और बाहर निकलने पर यात्रियों को टोल नहीं देना होगा। एनएचएआई के अफसरों के मुताबिक, एक्सप्रेसवे का पहला खंड अक्षरधाम से शुरू होगा, जो ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे तक जाता है। यह पहला खंड 32 किमी का होगा, जिसमें 19 किमी एलिवेटिड होगा। यह एक्सप्रेसवे गीता कॉलोनी, मंडोला और पंचगांव जैसे इलाकों के समीप से गुजरेगा।

एक्सप्रेसवे का निर्माण 11 चरणों में

देहरादून के पास यात्रियों को रास्ते में 12 किमी एलिवेटेड रोड से गुजरना होगा। यह एलिवेटेड रोड जंगलों से घिरा होगा। इस एलिवेटेड रोड पर यात्रा करते वक्त यात्री राजा जी नेशनल पार्क कॉरिडोर से गुजरेंगे। यह एक्सप्रेसवे एक टनल से होते हुए भी गुजरेगा। उत्तराखंड सीमा पर इस टनल का निर्माण हो रहा है। टनल का काम अंतिम चरण में है। अभी दिल्ली से देहरादून जाने में पांच से छह घंटे का समय लगता है, लेकिन इस एक्सप्रेसवे के बन जाने से ये सफर ढाई से तीन घंटे में पूरा हो जाएगा। इस एक्सप्रेसवे का निर्माण 11 चरणों में हुआ है।

कारोबारी की 12 वर्षीय बेटी घर से चुराकर ब्लैकमेलर को दे रही थी रुपये, स्वजन ने पड़ताल की तो रह गए दंग

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। नाबालिगों द्वारा बालिका की आपत्तिजनक वीडियो और फोटो बनाकर पौने सात लाख रुपये वसूली का मामला सामने आया है। एममएम गेट थाना क्षेत्र के कारोबारी की 12 वर्ष की बेटी की छह महीने पहले आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना ली। जिसे सार्वजनिक करने की धमकी देकर आरोपितों ने बालिका से वसूली शुरू कर दी।

बालिका घर से रुपये चोरी करके आरोपितों को देने लगी। रुपये गायब होने पर स्वजन को शक हुआ। उन्होंने घर में नजर रखनी शुरू कर दी। बेटी को रुपये निकालते देख उससे पूछताछ की तो ब्लैकमेलिंग की कहानी सुन उनके होश उड़ गए। वसूली करने वाले तीन आरोपित नाबालिग हैं, जबकि एक बालिग है। बालिका के स्वजन ने मामले में चार लोगों के विरुद्ध एमएम गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव महेश कुमार के पुत्र पंकज कुमार पर पेट्रोल पंप में पार्टनरशिप देने के नाम पर 56 लाख की धोखाधड़ी करने का आरोप है। उनके खिलाफ पिनाहट के युवकों ने सैंया थाने में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। इससे पहले मलपुरा थाने में पंकज भी धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करा चुके हैं। पिनाहट के नया पुरा के रहने वाले अनुज कुमार ने बताया कि वह अपने गांव के ही सुनील तोमर और सचिन के साथ शमसाबाद स्थित एक गोल्ड लोन कंपनी में काम करते थे। वहां नगला माकरौल, मलपुरा के रहने वाले पंकज कुमार का आना-जाना था। पंकज के पिता महेश कुमार रालोद के प्रदेश महासचिव और पूर्व जिलाध्यक्ष हैं। थाना सैंया में दर्ज कराए मुकदमे में अनुज कुमार ने कहा कि पंकज का पेट्रोल पंप खेरागढ़ मार्ग पर है। उसने तीनों साथियों को अपने पेट्रोल पंप में पार्टनरशिप देने का झांसा दिया। पिनाहट क्षेत्र में पेट्रोल पंप का विज्ञापन दिखाकर उसे भी दिलवाने की दावा किया। आरोप है कि मुनाफे के लालच में अनुज, सुनील और सचिन ने पंकज कुमार को 56 लाख रुपये दे दिए।

रुपये पहुंचते ही टामलटोल करने लगे

रकम पहुंचते ही पंकज टालमटोल करने लगा। उसके पिता से भी बात की लेकिन उन्हें रकम नहीं मिली। आठ फरवरी को पंकज ने मोबाइल बंद कर लिया। 22 फरवरी को वार्ता हुई तब उसने रकम लौटाने का भरोसा दिया। बताया कि 16 जून को उसने 36 लाख के चेक दिए जो बाउंस हो गए। पीड़ितों ने इसकी शिकायत डीसीपी सोनम कुमार से की। उनके निर्देश पर मुकदमा लिखा गया। रालोद प्रदेश महासचिव महेश कुमार का कहना है कि आरोप निराधार है। सैंया में मुकदमा लिखाने वाले युवकों समेत 12 के खिलाफ पंकज ने पूर्व में मलपुरा थाने में 10 करोड़ की धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया था।

बच्चा अगर विकलांग दोस्त की करें बात तो माता पिता को करने चाहिए ये चार काम

अगर आपका बच्चा अक्सर एक ऐसे बच्चे के बारे में बताता है, जो शारीरिक रूप से अक्षम है तो आप अपने बच्चे को यह जरूर सिखाएं कि उसके साथ कैसा व्यवहार करना है?

आपका बच्चा ठीक है। पूरी तरह स्वस्थ है। मगर उसकी क्लास में पढ़ने वाला एक साथी शारीरिक रूप से अस्वस्थ है। आपका बच्चा आपको उसके बारे में बताता है, लेकिन उससे बात नहीं करता। ऐसे में आपको अपने बच्चे को शारीरिक विकलांगता के बारे में सही ज्ञान देना होगा, ताकि वह उस बच्चे के साथ कोई गलत व्यवहार न करे, क्योंकि सही जानकारी और समझ के अभाव में बच्चे अक्सर अक्षमता को लेकर गलत धारणाएं बना लेते हैं, जो भेदभाव को बढ़ावा दे सकती हैं।

कैसे समझाएं

बच्चे से आपको खुले मन से बातचीत करनी होगी। आप बच्चे से उसके दोस्त के बारे में पूछें कि उसे उस बच्चे में क्या पसंद है और क्या नहीं। आप धैर्य से बच्चे की बात सुनें। ऐसा करके ही आप उसके मन की बात को समझ पाएंगी और उसे सही ज्ञान दे पाएंगी। आपका सही मार्गदर्शन बच्चे को दोस्त बनाने और उस बच्चे के साथ एक मजबूत बंधन बनाने में मदद कर सकता है।

एक उदाहरण

जब आप बच्चे को समझाने का प्रयास कर रही हों तो उससे सरल भाषा में बात करें और उदाहरणों का उपयोग करें। विभिन्न प्रकार की अक्षमताओं की तुलना करके उसे समझाएं कि हर व्यक्ति अलग होता है। कुछ सफल व्यक्तियों के उदाहरण दें, जिन्होंने अक्षमता को चुनौती दी और जीवन में आगे बढ़े।

मदद के लिए प्रेरित करें

अपने बच्चे को शारीरिक रूप से असक्षम बच्चे के साथ खेलने और गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। उसे उस बच्चे की मदद करने के तरीके बताएं, जैसे कि सामान उठाना या वॉशरूम लेकर जाना। आप बच्चे के सभी सवालों का जवाब ईमानदारी और स्पष्टता से दें, लेकिन गलत जानकारी कभी न दें।

आपकी भाषा

आप खुद 'विकलांग' जैसे शब्दों के बजाय 'विशेष आवश्यकता वाले' या 'अलग क्षमता वाले' जैसे शब्दों का उपयोग करें, क्योंकि आप जो भी शब्द ऐसे बच्चों के लिए इस्तेमाल करेंगी, वह उनको ही सीखेगा और उनका उपयोग करेगा। खराब भाषा का उपयोग शारीरिक रूप से अक्षम बच्चे के मन को चोट पहुंचा सकता है। इसलिए आप बच्चे को ऐसी किताबें और कहानियां पढ़कर सुनाएं, जिनमें विभिन्न प्रकार की अक्षमता वाले लोग हों।

मन को बनाएं निर्मल

बच्चे में सहानुभूति और सहिष्णुता विकसित करना बहुत महत्वपूर्ण है। माता-पिता के रूप में आपकी भूमिका है कि आप अपने बच्चे को एक ऐसे समाज के लिए तैयार करें, जहां सभी को समान रूप से स्वीकार किया जाता है। स्कूल काउंसलर आपके बच्चे को समझने और उसे मार्गदर्शन देने में मदद कर सकते हैं। वहीं कई ऑनलाइन संसाधन भी उपलब्ध हैं, जो आपको इस विषय पर अधिक जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

दुखी हो तो सहारा बने

बाल मनोवैज्ञानिक गार्गी मालगुडी कहती हैं, माता-पिता को अपने बच्चे को समझाने के लिए मनोवैज्ञानिक तरीका अपनाना चाहिए। यदि आपके बच्चे का दोस्त शारीरिक रूप से अक्षम है तो उसे समझाना चाहिए कि उस बच्चे का दोस्त बनकर रहे और उसकी हर वक्त मदद करने के लिए तैयार रहे। माता-पिता को अपने बच्चे को थोड़ा संवेदनशील बनाने पर फोकस करना चाहिए।

आप अपने बच्चे से कहें कि क्लास में अक्षम दोस्त के साथ बैठे, उसकी पढ़ाई में मदद करे। आप उसे सिखाएं कि वह किसी भी बच्चे की शारीरिक बनावट का मजाक न उड़ाए और अगर कोई अन्य ऐसा करे तो उसे भी रोके। छुट्टी के समय बस तक पहुंचाकर उसको सीट पर बैठने में मदद करे। कभी वह दुखी हो तो उसे भावनात्मक सहारा दे। टीजिंग या गलत शब्दावली का उपयोग कभी न करे, न ही किसी अन्य को बोलने दे।

दिल को रखना चाहते हैं सेहतमंद? आहार में ये एक बदलाव आपके लिए बहुत लाभकारी

हृदय रोगों का खतरा वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ता जा रहा है। कम उम्र के लोग यहां तक कि बच्चे भी हृदय रोग और इसके जोखिम कारकों का शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी इसका प्रमुख कारण हो सकती है। विशेषतौर पर खान-पान पर ध्यान न देना, नमक-प्रोसेस्ड चीजों का अधिक सेवन हृदय रोगों के लिए प्रमुख कारक हो सकते हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि खान-पान में बदलाव, विशेषतौर पर खाने के लिए सही तेल के चयन की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। ऑलिव ऑयल (जैतून के तेल) को इसके लिए बहुत फायदेमंद पाया गया है। ऑलिव ऑयल को आहार का हिस्सा बनाकर न सिर्फ आप ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रख सकते हैं साथ ही इससे हृदय रोगों के लिए जिम्मेदार अन्य कारकों को भी कम किया जा सकता है।

क्यों फायदेमंद माना जाता है ये ऑयल

ऑलिव ऑयल (जैतून के तेल) में पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो बल्ड प्रेशर को दुरुस्त रखते हैं। यह तेल हृदय को भी स्वस्थ बनाए रखता है। जैतून के तेल में विटामिन ई, के आयरन, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सिडेंट पाए जाते हैं। इस तेल का इस्तेमाल करने से कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां दूर होती हैं।

इस तेल मौजूद पॉलीफेनोल्स धमनियों को रिलैक्स करने और खोलने में मदद करते हैं। इससे हृदय की सेहत दुरुस्त रहती है और हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद मिलती है। यह तेल गुड कॉलेस्ट्रोल को बढ़ाने और बैड कॉलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है। जैतून के तेल में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं।

वजन कम करने में भी सहायक

वजन कम करने के लिए आप जैतून के तेल को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं। इस तेल से ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है, जिससे खाने की क्रेविंग्स कम होती हैं और पेट भरे रहने का एहसास होता है। इससे धीरे-धीरे वजन कम होने लगता है और मेटाबॉलिक रेट भी बेहतर होता है। जैतून के तेल में सूजनरोधी गुण होने से यह सूजन कम करता है और गठिया जैसे रोगों में राहत देता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अनिल बंसल बताते हैं, प्रतिदिन एक चम्मच जैतून का तेल सलाद में डालकर खाने या खाना पकाने में इस्तेमाल करने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इस तेल का अधिक इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। इस तेल में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाले गुण और सैचुरेट फैट होता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और आप संक्रमण तथा बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं।

अल्जाइमर रोग का भी कम होता है जोखिम

हार्वर्ड विश्वविद्यालय सहित शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने ऑलिव ऑयल के सेवन को बहुत लाभकारी पाया है। एक शोध में वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि प्रतिदिन लगभग एक चम्मच जैतून के तेल का सेवन डिमेंशिया के कारण मृत्यु के जोखिम को लगभग 30 प्रतिशत तक कम कर सकती है। 28 वर्षों तक अमेरिका में 92,000 से अधिक वयस्कों के डेटा का अवलोकन करने पर पता चला कि ऑलिव ऑयल न सिर्फ अल्जाइमर से बचाने में लाभकारी है साथ ही इससे इन रोगों के कारण मौत के खतरे को भी कम कर सकते हैं।

कई बीमारियों का कारण बन सकती है नींद न आने की समस्या, आप भी हैं परेशान तो करें ये तीन काम

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक माना जाता है। ये मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है। डॉक्टर बताते हैं, जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता है।

नींद न आने की समस्या के कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव या चिंताएं अक्सर दिमाग को इतना सक्रिय कर देती हैं कि व्यक्ति आराम से सो नहीं पाता। इसके अलावा चाय, कॉफी, सिगरेट और अन्य कैफीनयुक्त पदार्थों का सेवन करने वालों को भी नींद विकारों की दिक्कत हो सकती है।

अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ प्रकार की क्रोनिक बीमारियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारियां और मानसिक रोग के शिकार लोगों की भी नींद अक्सर बाधित रहती है।

नींद न आने की समस्या

नींद न आने की समस्या (अनिद्रा) एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को सोने में कठिनाई होती है या रात में अक्सर उसकी नींद टूट जाती है। नींद की कमी का असर दीर्घकालिक रूप से कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं (जैसे ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मानसिक विकार और अन्य क्रोनिक बीमारियां) को बढ़ाने वाली हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नींद की बढ़ती समस्याओं के लिए मोबाइल या कंप्यूटर जैसे स्क्रीन्स का अधिक इस्तेमाल भी माना जा सकता है। इन उपकरणों से निकलने वाली ब्लू लाइट नींद के लिए आवश्यक मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को रोकती है।

स्मार्टफोन और स्क्रीन से दूरी बनाएं

सोने से 1-2 घंटे पहले स्मार्टफोन, कंप्यूटर, या टेलीविजन का इस्तेमाल न करें। इन उपकरणों की ब्लू लाइट मेलाटोनिन हार्मोन के स्तर को प्रभावित करती है, जिससे नींद आने में परेशानी होती है। मेलाटोनिन एक प्राकृतिक हार्मोन है जो नींद को नियंत्रित करता है। अनिद्रा के शिकार लोग डॉक्टर से सलाह लेकर इसका सप्लीमेंट ले सकते हैं। अगर नींद की समस्या किसी मानसिक विकार जैसे अवसाद या एंग्जायटी के कारण है, तो इसके लिए मनोचिकित्सक से सलाह लें।

सोने का समय निर्धारित करें

हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। इससे शरीर का बायोलॉजिकल क्लॉक नियमित होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसके अलावा कमरे को नींद के अनुकूल बनाएं। कमरा शांत, अंधेरा वाला और ठंडा होना चाहिए। अनुकूल माहौल में अच्छी नींद मिलती है।

शारीरिक व्यायाम करें

नियमित शारीरिक व्यायाम-योग नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायक है। व्यायाम करने से शरीर को थकावट महसूस होती है, जिससे सोने में आसानी होती है। ध्यान रहे कि सोने से पहले व्यायाम न करें, क्योंकि यह शारीरिक उत्तेजना बढ़ा सकता है। ध्यान, गहरी सांस लेने की तकनीक और मांसपेशियों को आराम देने वाली एक्सरसाइज सोने से पहले करने से तनाव कम होता है और नींद में सुधार होता है।

जियो, एयरटेल और वोडाफोन में मची खलबली, 5जी में एंट्री करेगा टेलीकॉम इंडस्ट्री का 'बाहुबली'

9 महीनों के बाद यानी जून 2025 में सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल 5जी में एंट्री कर जाएगा। जिसके बाद प्राइवेट सेक्टर की टेलीकॉम दिग्गज कंपनियों को बड़ी चुनौती मिल सकती है। बीएसएनएल 4जी पर आ चुका है और 5जी पर आने के लिए तेजी काम साथ काम कर रहा है।

भले ही देश की तीनों बड़ी प्राइवेट टेलीकॉम कंपनियां ने 5जी नेटवर्क को अपनाकर काफी आगे निकल गई हों, लेकिन आने वाले महीनों में इन कंपनियों की हालत खराब करने के लिए टेलीकॉम इंडस्ट्री का बाहुबली 5जी में एंट्री करने वाला है। 9 महीनों के बाद यानी जून 2025 में सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल 5जी में एंट्री कर जाएगा। जिसके बाद प्राइवेट सेक्टर की टेलीकॉम दिग्गज कंपनियों को बड़ी चुनौती मिल सकती है। बीएसएनएल 4जी पर आ चुका है और 5जी पर आने के लिए तेजी काम साथ काम कर रहा है। जानकारी के अनुसार बीएसएनएल के टॉवर्स तेजी के साथ लगाए जा रहे हैं। जो 4जी से बाद में 5जी में ट्रांसफर होने की क्षमता रखते हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के टेलीकॉम मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस बारे में किस तरह की जानकारी दी है।

कब 5जी नेटवर्क पर जाएगा बीएसएनएल

सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल अगले साल मई तक एक लाख बेस स्टेशनों के जरिए देश में विकसित 4जी तकनीक को लागू करने का काम पूरा कर लेगी। केंद्रीय टेलीकॉम मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी इसके बाद जून 2025 तक 5जी नेटवर्क पर चली जाएगी। उन्होंने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच में कहा कि भारत 4जी में दुनिया के नक्शेकदम पर चला, 5जी में दुनिया के साथ चल रहा है और 6जी तकनीक में दुनिया का नेतृत्व करेगा। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हैं कि सरकारी कंपनी किसी और के उपकरण का इस्तेमाल नहीं करेगी।

दुनिया में सबसे तेजी 5जी नेटवर्क लागू

सिंधिया ने कहा कि अब हमारे पास एक प्रमुख और एक रेडियो एक्सेस नेटवर्क है, जो पूरी तरह से काम कर रहा है। हमारे पास अगले साल अप्रैल-मई तक एक लाख साइट की योजना है। हमने कल तक 38,300 साइट शुरू कर दी हैं। उन्होंने कहा कि हम अपना खुद का 4जी नेटवर्क शुरू करने जा रहे हैं, जो जून 2025 तक 5जी पर चला जाएगा। हम ऐसा करने वाले दुनिया के छठे देश होंगे। बीएसएनएल सरकारी कंपनी सी-डॉट और घरेलू आईटी कंपनी टीसीएस के गठजोड़ द्वारा विकसित 4जी तकनीक का उपयोग कर रही है। सिंधिया ने कहा कि भारत ने 22 महीनों में 4।5 लाख टावरों की स्थापना के साथ दुनिया में सबसे तेजी से 5जी तकनीक को लागू किया और देश की 80 फीसदी आबादी के लिए ये सेवा उपलब्ध है।

लगातार बढ़ रहा है आगे

जुलाई से प्राइवेट टेलीकॉम कंपनियों ने टैरिफ में इजाफा किया है। तब से बीएसएनएल के यूजर्स में इजाफा देखने को मिल रहा है। कई यूजर्स प्राइवेट कंपनियों को छोड़ बीएसएनएल की ओर मूव कर रहे हैं। ये तरह से प्राइवेट टेलीकॉम कंपनियों के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। अगले साल से सरकारी टेलीकॉम कंपनी 5जी में शिफ्ट हो जाएगी। उसके बाद प्राइवेट टेलीकॉम कंपनियों को कड़ी टक्कर मिलेगी। उसका सबसे बड़ा कारण सस्ती सर्विस होगी। जो सर्विस प्राइवेट टेलीकॉम कंपनियों की ओर से महंगा दिया जा रहा है, वो बीएसएनएल की ओर से सस्ते में लागू किया जाएगा। ऐसे में एक बार फिर से देश में टेलीकॉम इंडस्ट्री में प्राइस वॉर शुरू हो जाएगा। जिसका फायदा आम यूजर्स को मिलेगा।

छत्तीसगढ़ हो या फिर बिहार, इन 6 राज्यों में सबसे ज्यादा महंगाई की मार

देश में सितंबर महीने के महंगाई के आंकड़ें आ गए हैं। देश में खुदरा महंगाई 9 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गई है। सितंबर में महंगाई 5.49 फीसदी देखने को मिली है। जो कि आरबीआई के टॉलरेंस लेवल से अभी मामूली रूप से कम है। लेकिन देश में अभी आधा दर्जन राज्य ऐसे हैं, जहां पर महंगाई 6 फीसदी से ज्यादा देखने को मिली है। जिनमें उसे दो राज्य 7 फीसदी से ऊपर टाप गए हैं। जी हां, बिहार और छत्तीसगढ़ ऐसे राज्य हैं, जहां सितंबर के महीने में सबसे ज्यादा महंगाई देखने को मिली है. अगर बात सितंबर महीने में सबसे कम महंगाई वाले राज्य की करें तो दिल्ली है। जहां पर अभी 4 फीसदी से कम की महंगाई दर देखने को मिली है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के कौन—कौन से राज्यों में महंगाई दर सितंबर के महीने में 6 फीसदी से ज्यादा देखने को मिली है।

बिहार समेत 6 राज्यों में 6 फीसदी से ज्यादा महंगाई

सरकारी आंकड़ों के अनुसार बिहार और छत्तीसगढ़ में 7 फीसदी से ज्यादा खुदरा महंगाई दर देखने को मिली है। बिहार में सबसे ज्यादा 7.50 फीसदी और छत्तीसगढ़ में 7.36 फीसदी महंगाई दर देखी गई। वहीं दूसरी ओर उत्तरप्रदेश 6.74 फीसदी, ओडिशा 6.56 फीसदी, हरियाणा 6.20 फीसदी और गुजरात में 6.05 फीसदी महंगाई देखी गई।

8 राज्यों में 5 फीसदी से ज्यादा महंगाई दर

सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में 8 राज्यों की लिस्ट ऐसी है, जहां पर 6 फीसदी से कम लेकिन 5 फीसदी से ज्यादा महंगाई दर देखने को मिली है। सितंबर के महीने में मध्यप्रदेश में 5.94 फीसदी महंगाई दर देखी गई। वहीं केरल में ये आंकड़ा 5.52 फीसदी देखने को मिला। राजस्थान 5.31 फीसदी, पंजाब 5.25 फीसदी, तमिलनाडु 5.19 फीसदी, झारखंड 5.15 फीसदी, महाराष्ट्र 5.04 और जम्मू कश्मीर में 5.02 फीसदी देखने को मिली है।

दिल्ली में सबसे कम महंगाई

अगर बात देश में सबसे कम महंगाई दर वाले राज्य की करें तो इसमें नाम देश की राजधानी दिल्ली का सामने आ रहा है। जहां पर महंगाई दर 4 फीसदी से भी कम है। आंकड़ों के अनुसार सितंबर के महीने में दिल्ली में महंगाई दर 3.67 फीसदी देखने को मिली है। वहीं दूसरी कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां पर महंगाई दर 4 फीसदी से तो ज्यादा हैं, लेकिन 5 फीसदी से कम है। पश्चिम बंगाल में महंगाई दर 4.27 फीसदी देखने को मिली है। तेलंगाना 4.40 फीसदी, हिमाचल प्रदेश 4.59 फीसदी, उत्तराखंड 4.67 फीसदी, आंध्रप्रदेश 4.75 फीसदी, असम 4.85 फीसदी और कर्नाटक में 4.92 फीसदी महंगाई दर देखी गई है।

9 महीने की ऊंचाई पर महंगाई दर

सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार सब्जियों के दाम में तेजी से खुदरा महंगाई सितंबर महीने में बढ़कर 9 महीने के उच्चस्तर 5.49 फीसदी पर पहुंच गई; उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई पिछले महीने अगस्त में 3.65 प्रतिशत जबकि बीते वर्ष के सितंबर माह में 5.02 प्रतिशत थी। इससे पहले दिसंबर, 2023 में यह 5.69 फीसदी के उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई सितंबर महीने में उछलकर 9.24 प्रतिशत हो गयी जो इससे पिछले महीने अगस्त में 5.66 प्रतिशत और एक साल पहले इसी महीने में 6.62 प्रतिशत थी।

थोक महंगाई में भी इजाफा

इससे पहले दिन में जारी आंकड़ों के अनुसार, थोक महंगाई सितंबर में बढ़कर 1.84 प्रतिशत हो गयी। खाद्य वस्तुओं खासकर सब्जियों के महंगा होने से थोक मुद्रास्फीति बढ़ी। अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई 1.31 फीसदी थी। पिछले साल सितंबर में इसमें 0.07 प्रतिशत की गिरावट आई थी। भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। केंद्रीय बैंक ने महंगाई को लक्ष्य के अनुरूप लाने के मकसद से पिछले सप्ताह पेश मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया था।

कौन हैं संजय वर्मा, जिनपर आरोप लगाकर कनाडा ने मोल लिया भारत से पंगा

कनाडा, एजेंसी। कनाडा ने एक बार फिर भारत से पंगा लेने का काम किया है। कनाडा ने हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में कथित हत्या को लेकर एक बार फिर भारत पर आरोप लगाए हैं। कनाडा ने हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा और दूसरे राजनयिकों को निज्जर की कथित हत्या से जोड़ा है और उन्हें इस मामले में पर्सन ऑफ इंटरेस्ट बताया है। भारत सरकार ने कनाडा की इस हरकत के बाद एक्शन लेते हुए हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा सहित अपने राजनयिकों को भारत वापस बुला लिया है। साथ ही भारत ने कनाडा को इस मामले को लेकर कड़े शब्दों में जवाब भी दिया। भारत ने कनाडा के आरोपों को बेतुका बताया है। कनाडा के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारत ने सोमवार को कनाडा के 6 राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। साथ ही भारत ने इन 6 राजनयिकों को 19 अक्बटूर तक भारत छोड़ कर जाने का आदेश दिया।

भारत ने कनाडा के राजनयिकों को किया निष्कासित

कनाडा ने जब भारत के राजनयिकों को सीधे टारगेट किया तो भारत ने भी एक्शन लेते हुए कनाडा के 6 राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। भारत ने कनाडा के कार्यवाहक हाई कमिश्नर स्टीवर्ट रॉस व्हीलर, डिप्टी हाई कमिश्नर उच्चायुक्त पैट्रिक हेबर्ट, सेक्रेटरी मैरी कैथरीन जोली, इयान रॉस डेविड ट्राइट्स, एडम जेम्स चुइपका और पाउला ओरजुएला का नाम शामिल हैं।

भारतीय राजनियकों को किया टारगेट

भारत और कनाडा के बीच एक बार फिर साल 2023 में हुई निज्जर की कथित हत्या को लेकर जो तनाव सामने आया है, उसमें कनाडा ने भारत के हाई कमिश्नर को सीधा टारगेट किया है। चलिए इसी बीच जानते हैं कि कौन हैं वो संजय वर्मा जिन पर आरोप लगाकर कनाडा ने भारत से पंगा लिया है। दोनों देशों के बीच पैदा हुए तनाव में एक नाम सुर्खियों में बना हुआ है, वो हैं संजय कुमार वर्मा। भारत ने कनाडा को जवाब देते हुए जो प्रेस रिलीज जारी की, उसमें भी बताया कि जिन संजय वर्मा पर कनाडा गंभीर आरोप लगा रहा है वो भारत के सीनियर डिप्लोमेट हैं। जो पिछले 36 साल से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कौन हैं संजय वर्मा

संजय कुमार वर्मा को साल 2022 में कनाडा के ओटावा में हाई कमिश्नर के रूप में नियुक्त किया गया था। पिछले 2 साल से वो कनाडा में हाई कमिश्नर की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। हाई कमिश्नर ने साल 1988 में भारतीय विदेश सेवा (Indian Foreign Service) में कदम रखा था। अपने 36 साल के करियर में संजय वर्मा जापान, सूडान, इटली, तुर्किये, वियतनाम और चीन में राजदूत रहे हैं। सूडान में हाई कमीश्नर के पद पर सेवाएं देने के बाद संजय वर्मा ने भारतीय विदेश मंत्रालय में ज्वाइंट सेक्रेटरी और एडिशनल सेक्रेटरी के रूप में काम किया। कनाडा में हाई कमिश्नर के पद पर काम करने से पहले उन्होंने जापान और मार्शल द्वीप में भारत के राजदूत की जिम्मेदारी संभाली। हाई कमिश्नर संजय वर्मा का जन्म 28 जुलाई, साल 1965 में हुआ था। उन्होंने पटना यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की। इसी के बाद फिजिक्स से आईआईटी दिल्ली में पोस्ट ग्रेजुएशन की।

दोनों देशों के बीच क्यों पैदा हुआ तनाव

हरदीप सिंह निज्जर एक खालिस्तानी नेता था और भारत सरकार ने उसको आंतकवादी घोषित किया हुआ है। निज्जर की पिछले साल 2023 में कथित हत्या हो गई थी। कनाडा के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई थी। कनाडा में निज्जर की हत्या की जांच चल रही है।

निज्जर की हत्या के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर आरोप लगाया था कि भारत सरकार के एजेंट निज्जर की मौत से जुड़े थे। इसी के चलते एक बार फिर दोनों देशों के बीच रिश्तों में तनाव पैदा हो गया है। हालांकि, भारत पहले भी कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज कर चुका है।

भारत ने इस मामले पर क्या कहा?

भारत सरकार ने कनाडा के लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए कहा, भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को खारिज करती है। साथ ही कहा गया कि ट्रूडो सरकार यह सब वोट बैंक की राजनीति के चलते कर रहे हैं। भारतीय सरकार ने कनाडा को कड़े शब्दों में जवाब देते हुए अपने राजनयिकों को यह कह कर देश वापस बुला लिया कि हमें कनाडा पर अब भरोसा नहीं है। साथ ही विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि ट्रूडो सरकार ने भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। हमें अपने डिप्लोमेट्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कनाडाई सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए, भारत सरकार ने हाई कमिश्नर और बाकी राजनयिकों और अधिकारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है।

लाहौर में कॉलेज स्टूडेंट से रेप, गुस्साए छात्राओं का बवाल, कई हुए घायल

लाहौर. पाकिस्तान के लाहौर में एक कॉलेज स्टूडेंट के साथ रेप की खबर ने वहां का माहौल खराब कर दिया। इस खबर से गुस्साए छात्रों ने कॉलेज परिसर में जमकर बवाल किया, जहां उनकी पुलिस से झड़प भी हुई, जिसमें 28 लोग घायल हो गए। घायलों में 24 कॉलेज स्टूडेंट्स और 4 पुलिस अधिकारी शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस घटना के संबंध में कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है लेकिन पुलिस घटना की जांच कर रही है।

घटना के बारे में जानकारी देते हुए लाहौर के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल फैसल कामरान ने कहा कि घटना की जांच चल रही है। पुलिस ने घटना के संबंध में कॉलेज में कई लोगों से पूछताछ की है लेकिन कोई भी इस घटना के बारे में सही जानकारी नहीं दे पाया है। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया की खबरें ज्यादा विश्वसनीय नहीं लग रही क्योंकि इससे कुछ साफ नहीं हो रहा।

पार्टी ऑफिस के लिए जमीन लेने पर नेपाल के पीएम की किरकिरी... अपने ही पार्टी के नेता कर रहे विरोध

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली ने पार्टी का कार्यालय बनाने के लिए एक बिजनेसमैन से उपहार में ली गई जमीन शर्मिंदगी का कारण बन गई है. जहां विपक्षी दल इस मामले में ओली पर निशाना साध रहे थे, वहीं अब सत्ताधारी पार्टी के अंदर भी इसके खिलाफ आवाज उठने लगी है।

पार्टी की नेता बिंदा पांडे ने इस मामले में प्रधानमंत्री ओली से जमीन वापस करने की मांग करते हुए कहा कि इस तरह का उपहार स्वीकार करना पार्टी के पांच लाख से अधिक सदस्यों को शर्मिंदा करने जैसा है। यह उन 30 लाख लोगों का भी अपमान है जिन्होंने चुनाव में सीपीएन-यूएमएल को वोट दिया।

देश के दिग्गज बिजनेसमैन मिन बहादुर गुरुंग ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के लिए ऑफिस बनाने के लिए 5,300 वर्ग मीटर जमीन उपहार में दी थी। इसको लेकर विपक्षी दल पीएम ओली पर सवाल उठा रहे थे लेकिन अब पार्टी के अंदर भी सवाल उठने लगे हैं, जो पीएम ओली को असहज कर सकता है।

पार्टी के ट्रेड यूनियन नेता बिंदा पांडे ने जमीन वापस लौटाने की मांग करते हुए इसे पार्टी के सम्मान से जोड़ा और पीएम ओली से अपनी गलती सुधारने के लिए कहा।

पार्टी नेताओं का अपमान

पांडे ने कहा कि एक बिजनेसमैन को कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत सामाजिक काम करने की उम्मीद की जाती है, लेकिन यदि वह किसी राजनीतिक पार्टी को जमीन देता है, तो यह गलत है क्योंकि समाज में इसका गलत संदेश जाता है। उन्होंने पार्टी को जमीन स्वीकार करने के फैसले को गलत करार दिया और कहा कि ऐसे फैसले से पार्टी की विरासत को नुकसान होगा। उन्होंने इस फैसले को पार्टी के आदर्शों और मूल्यों के खिलाफ बताते हुए कहा कि ऐसे फैसले दिवंगत नेताओं का अपमान है। उन्होंने दिवंगत मन मोहन अधिकारी और मदन भंडारी जैसे नेताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि इन्होंने हमेशा ऐसे फैसलों का विरोध किया था।

गाजा बना लेबनान! इजराइल की मार से हाल-बेहाल, 4 लाख बच्चे बेघर

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल की एक साल से ज्यादा समय से फिलिस्तीन के साथ जंग चल रही है। उसका मुकाबला गाजा में हमास के साथ चल रहा है, जिसमें कई हजार लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। अब इजराइल ने लेबनान स्थित हिजबुल्लाह ग्रुप के खिलाफ भी अपने हमले तेज कर दिए हैं, जिसमें जमीनी आक्रमण भी शामिल है। हिजबुल्लाह और इजराइल की लेबनान में जारी इस लड़ाई से करीब 12 लाख लोगों को अपने घरों को छोड़ने पड़ा है। इनमें 4 लाख बच्चे हैं। ज्यादातर लोग तनाव बढ़ने के बाद तीन हफ्तों में बेरूत और उत्तर में बाकी जगहों पर भाग गए हैं।

UNICEF के डिप्टी एक्सिक्युटिव डायरेक्टर टेड चाइबन ने मानवीय कार्यों के लिए उन स्कूलों का दौरा किया, जिन्हें अपने घरों को छोड़ने वाले परिवारों के लिए शेल्टर होम में बदल दिया गया है। चाइबन ने बेरूत में कहा कि जिस बात ने मुझे परेशान किया है वह यह है कि यह जंग तीन हफ्ते पुरानी है और इसने बहुत सारे बच्चों पर असर डाला है। आज जब हम यहां बैठे हैं, लाखों बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। उनके पब्लिक स्कूल या तो दूर हो गए हैं या जंग में तबाह हो गए हैं या फिर शेल्टर होम के तौर पर इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

'लॉस्ट जनरेशन का रिस्क'

उन्होंने आगे कहा कि इस देश को जिस आखिरी चीज की जरूरत है, बाकी सभी चीजों के अलावा, वह है 'लॉस्ट जनरेशन का रिस्क', जबकि कुछ लेबनानी प्राइवेट स्कूल अभी भी चल रहे हैं। देश के सबसे कमजोर लोगों जैसे फिलिस्तीनी और सीरियाई शरणार्थियों के साथ-साथ पब्लिक स्कूल सिस्टम भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। चाइबन ने कहा कि मुझे इस बात की चिंता है कि हमारे पास लाखों लेबनानी, सीरियाई, फिलिस्तीनी बच्चे हैं जिनकी पढ़ाई खत्म होने का खतरा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इजराइली हमलों में लेबनान में 2,300 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जिनमें से लगभग 75 प्रतिशत पिछले महीने में मारे गए हैं।

सड़क किनारे रहने को मजबूर लोग

चाइबन ने कहा कि पिछले तीन हफ्तों में 100 से ज्यादा बच्चे मारे गए और 800 से ज्यादा घायल हुए। बेघर हुए बच्चों को भीड़भाड़ वाले शेल्टर्स में ठूंस दिया जाता है, जहां तीन से चार परिवार प्लास्टिक शीट के जरिए एक ही क्लासरूम में अलग-अलग रह रहे हैं, एक हजार लोगों के लिए महज 12 वॉशरूम हैं और उनमें भी सब काम नहीं करते। वहीं कई परिवार तो सड़क के किनारे टेंट लगाकर रहने को मजबूर हैं। इन परिवारों में ज्यादातर बच्चे ऐसे हैं, जिन्होंने हिंसा को करीब से देखा है। उन्होंने गोलाबारी और गोलियों की आवाजें सुनी हैं, जिस वजह से वह किसी भी तेज आवाज से डर जाते हैं।

3 लाख से ज्यादा वॉटर स्टेशन तबाह

इस जंग की वजह से पहले ही 100 से ज्यादा प्राइमरी हेल्थ फैसिलिटी की सर्विस भी आउट कर दी गई थी और अब 12 हॉस्पिटल भी काम नहीं कर रहे हैं। यही नहीं वॉटर इंफ्रास्ट्रक्चर भी इस जंग की चपेट में आया है, जिस पर चाईबन ने कहा, पिछले तीन हफ्तों में, लगभग 3 लाख 50 हजार लोगों को पानी देने वाले 26 वॉटर स्टेशन तबाह हो गए हैं। यूनिसेफ इनकी मरम्मत के लिए लोकल ऑथोरिटीज के साथ काम कर रहा है। उन्होंने आगे इस जंग को रोकने की जरूरत है। उन्होंने गाजा का उदाहरण देते हुए कहा कि हम गाजा को देख चुके हैं।

झारखंड चुनाव की घोषणा को लेकर जेएमएम ने उठाए सवाल, भाजपा बोली– सोरेन राजवंश के आखिरी राजकुमार साबित होंगे हेमंत

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा इतना घबरा गया है कि उसने आधिकारिक तौर पर पोस्ट किया गया कि यह लोकतंत्र की हत्या है और वे समय से पहले चुनाव करा रहे हैं।

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के संबंध में आज चुनाव आयोग की घोषणा से पहले, भाजपा नेता प्रतुल शाह देव ने शासन में कुशासन, भ्रष्टाचार, कुशासन का हवाला देते हुए सत्तारूढ़ झामुमो पार्टी पर हमला किया और दावा किया कि झामुमो को करारी हार का सामना करना पड़ेगा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चुनाव के बाद सोरेन राजवंश के आखिरी राजकुमार होंगे। एएनआई से बात करते हुए बीजेपी नेता प्रतुल शाह देव ने कहा कि हम पूरी तरह से तैयार हैं क्योंकि यहां चुनाव होने वाले थे और विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी को खत्म हो रहा था, इसलिए चुनाव उससे पहले कराने पड़े।

भाजपा नेता ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा इतना घबरा गया है कि उसने आधिकारिक तौर पर पोस्ट किया गया कि यह लोकतंत्र की हत्या है और वे समय से पहले चुनाव करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका कुशासन, भ्रष्टाचार, कुशासन और लूट का राज खत्म होने वाला है और भाजपा को अपार सफलता मिल रही है। यह साफ हो गया है कि हेमंत सोरेन सोरेन राजवंश के आखिरी युवराज साबित होंगे और झामुमो को करारी हार का सामना करना पड़ेगा।

इससे पहले झामुमो नेता मनोज पांडे ने कहा कि चुनाव की घोषणा आज होनी है लेकिन इसकी जानकारी बीजेपी नेताओं को कल ही मिल गई। यह बहुत ही गंभीर मामला है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या आयोग भाजपा नेताओं के इशारे पर काम करता है? आयोग को कठपुतली बनाकर रखना गंभीर मामला है। सीट बंटवारे पर उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की एक औपचारिक बैठक होगी और उस बैठक के बाद सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। 2-3 सीटें हैं जिन पर बातचीत होगी और फिर घोषणा होगी।

विपक्ष के आरोपों का चुनाव आयुक्त ने दिया जवाब, सीईसी बोले– 100 फीसदी फुलप्रूफ हैं ईवीएम

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव की तारीखों की चुनाव आयोग की घोषणा से पहले विपक्षी दलों ने एक बार फिर ईवीएम में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। हालांकि, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को कहा कि जनता ने मतदान में भाग लेकर सवालों का जवाब दे दिया है। कुमार ने कहा कि जनता मतदान में भाग लेकर सवालों का जवाब देती है। जहां तक ईवीएम का सवाल है, वे 100 फीसदी फुलप्रूफ हैं। अगर वे आज फिर सवाल उठाएंगे तो हम उन्हें फिर से बताएंगे।

इससे पहले, कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने इजरायल द्वारा आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के पेजर्स को हैक करने का उदाहरण देते हुए दावा किया था कि ईवीएम में हेरफेर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में विपक्ष को इस बात के लिए दबाव बनाना चाहिए कि ईवीएम से नहीं बल्कि बैलेट पेपर से वोटिंग हो। अन्यथा, महाराष्ट्र में, भाजपा सरकार और चुनाव आयोग कुछ भी कर सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि यदि इजराइल पेजर और वॉकी-टॉकी के इस्तेमाल से लोगों को मार सकता है, तो ईवीएम कहां है? इजराइल के साथ पीएम के बहुत अच्छे रिश्ते हैं। इजराइल ऐसी चीजों में माहिर है। ईवीएम का बड़ा खेल कहीं भी हो सकता है और उसके लिए बीजेपी चुनाव से पहले ये सब खेल कर लेती है।

पिछले हफ्ते, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ईसीआई को एक ज्ञापन सौंपा था, और कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि निकाय इस मुद्दे पर संज्ञान लेगा और उचित निर्देश देगा। संचार के प्रभारी पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 9 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव आयोग को शिकायतों से भरा एक ज्ञापन सौंपा. इसे आगे बढ़ाते हुए आज हमने एक अद्यतन ज्ञापन दिया है, जिसमें हरियाणा के 20 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रक्रिया में गंभीर और स्पष्ट अनियमितताओं को उजागर किया गया है। हमें उम्मीद है कि चुनाव आयोग इस पर संज्ञान लेगा और उचित निर्देश जारी करेगा।

क्या 'भूल भुलैया 3' में कियारा आडवाणी भी होंगी? कार्तिक आर्यन ने गलती से खोल दी पोल

कार्तिक आर्यन की अपकमिंग फिल्म 'भूल भुलैया 3' 1 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ तृप्ति डिमरी नजर आएंगी। क्या कार्तिक आर्यन की इस फिल्म में कियारा आडवाणी भी नजर आ सकती हैं? एक इंटरव्यू के दौरान खुद कार्तिक आर्यन ने गलती से इसका एक हिंट दे डाला है।

A2022 में रिलीज हुई हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 2' में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की जोड़ी ने लोगों को खूब हंसाया था। दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री भी फैन्स को काफी पसंद आई थी। अब कार्तिक आर्यन इस फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट से वापसी करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि, इस बार फिल्म के तीसरे पार्ट यानी 'भूल भुलैया 3' में कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी की जोड़ी देखने को मिलेगी।

कार्तिक आर्यन अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर लाइमलाइट में हैं। ये फिल्म 1 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ तृप्ति डिमरी लीड रोल निभाती हुई नजर आएंगी। लेकिन क्या कार्तिक आर्यन की फिल्म में एक बार फिर से कियारा आडवाणी की झलक देखने को मिलेगी? कार्तिक आर्यन ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में गलती से इसका एक हिंट दे डाला है।

क्या भूल भुलैया 3 में होंगी कियारा आडवाणी?

एक्टर कार्तिक आर्यन ने 'पिंकविला' से बातचीत में अपनी फिल्म 'भूल भुलैया 3' पर चर्चा की। इसी दौरान उन्होंने गलती से 'भूल भुलैया 3' में कियारा आडवाणी के अपीयरेंस के बारे में बता दिया। एक्टर ने कहा कि इस फिल्म के लिए उन्हें काफी चीजें छिपानी पड़ी हैं। इसी बातचीत में कार्तिक आर्यन से पूछा गया कि क्या इस फिल्म के लिए 2 क्लाइमेक्स शूट किए गए हैं और उनके, विद्या बालन और डायरेक्टर अनीस बज्मी के अलावा किसी को भी एक्चुअल एंडिंग का नहीं पता है क्या?

क्या 'भूल भुलैया 3' में होंगे 2 क्लामैक्स?

इस सवाल के जवाब में कार्तिक ने कहा, "मुझे लगता है कि एक दो लोगों को और पता है। लेकिन हां, इस फिल्म के 2 क्लाइमैक्स शूट किए गए हैं ताकि किसी तरह का कन्फ्यूजन रहे। असल में सिर्फ पांच या एक दो और लोगों को छोड़ कर किसी के पास स्क्रिप्ट के आखिरी के 15 पेज गए नहीं थे। यहां तक कि जो एडी डिपार्टमेंट है या प्रोडक्शन डिपार्टमेंट, सबके पास बिना क्लाइमैक्स की स्क्रिप्ट गई थी।"

जब कार्तिक ने गलती से लिया कियारा का नाम

इसी इंटरव्यू के दौरान कार्तिक आर्यन के मुंह से गलती से कियारा आडवाणी के साथ शूटिंग के बारे में बात निकल गई। उन्होंने कहा, "जब हम लोग शूट भी कर रहे थे। असल में, जब हम कियारा के साथ शूट..." इसके बाद उन्हें तुरंत 'सॉरी' कहा। फिर कार्तिक हंसने लगे और कहने लगे, "जब हम विद्या जी के साथ शूट कर रहे थे... ये लाइव तो नहीं है ना?"

भूल भुलैया 3 में होंगे कई सारे सरप्राइज

आगे क्लाइमैक्स के बारे में बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने कहा, "हमने 2 क्लाइमेक्स शूट किए हैं बस इतना ही बोलना चाहूंगा इसपर। ये पहली बार मेरे साथ हो रहा था कि बहुत सारी चीजें छुपानी पड़ रही हैं। ये एक अलग जगह और एक अलग फिल्म है। मुझे लगता है कि भूल भुलैया 3 में आप सभी के लिए बहुत सारे सरप्राइज होंगे। जब ये फिल्म आएगी तो आपको इसे देखने में मजा आएगा।"

एम एस धोनी पर फिल्म बनाने वाले डायरेक्टर के साथ इमरान हाशमी करेंगे वेब सीरीज, इस ओटीटी पर होगी रिलीज

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इमरान हाशमी ने अपनी एक्टिंग के दम पर एक अलग जगह बनाई है। अपने करियर में अलग-अलग रोल निभाने वाले इमरान को लोग उनके काम की वजह से जानते हैं। इमरान हाशमी को पिछली बार फिल्म वेब सीरीज 'शोटाइम' में देखा गया था, जिसमें उनकी एक्टिंग को लोगों ने खूब पसंद किया था। ऐसे में अब खबरें आ रही हैं कि इमरान ने जाने-माने डायरेक्टर नीरज पांडे के साथ हाथ मिलाया है।

पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, नीरज एक दिलचस्प वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसमें इमरान मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इमरान इन दिनों नीरज की आने वाली वेब सीरीज के लिए उनसे बातचीत कर रहे हैं। दोनों के बीच कई बार मुलाकात हो चुकी है। ऐसा कहा जा रहा है कि इमरान को सीरीज की कहानी पसंद आ गई है और वह इसके लिए राजी भी हो गए हैं।

इमरान और नीरज की यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। हालांकि अभी इस बात का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन ऐसी उम्मीद है कि इसका आधिकारिक ऐलान जल्द हो सकता है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने कहा, "यह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री है और जब तक यह कागज पर न आ जाए, तब तक कुछ भी आधिकारिक नहीं है, लेकिन बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है।"

फिल्म 'गुडाचारी 2' की शूटिंग में बिजी हैं इमरान

वर्कफ्रंट की बात करें तो इमरान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'गुडाचारी 2' की शूटिंग में बिजी हैं। यह फिल्म साल 2018 में आई स्पाई थ्रिलर फिल्म 'गुडाचारी' का सीक्वल है। इस फिल्म में अदिवी शेष लीड रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म 2025 में रिलीज होगी। वहीं नीरज पांडे इस वक्त 'स्पेशल ऑप्स 2.10' के पोस्ट-प्रोडक्शन पर काम कर रहे हैं, जिसका प्रीमियर अगले साल हॉटस्टार पर होगा। वह अपनी फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' पर भी काम कर रहे हैं, जिसका प्रीमियर जल्द ही नेटफ्लिक्स पर होने वाला है। इससे पहले वो 'स्पेशल 26' और 'एम एस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी फिल्में बना चुके हैं।

शहनाज गिल की जगह फैन्स चिल्लाने लगे करण औजला का नाम, फिर एक्ट्रेस ने दिया ऐसा रिएक्शन

खुद को पंजाब की कटरीना कहने वाले एक्ट्रेस शहनाज गिल 'बिग बॉस 13' के बाद से ही सक्सेस की सीढ़िया चढ़ रही हैं। राजकुमार राव की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के आइटम नंबर 'सजना वे सजना' से शहनाज गिल ने खूब वाहवाही बटोरी थी। अब हाल ही में एक्ट्रेस चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में हुए टशन नाइट्स में शामिल हुई थीं। इस इवेंट में परफॉर्म करते हुए शहनाज गिल ने एक फैन को डांट भी लगा दी।

शहनाज गिल का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में शहनाज गिल चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में ऑर्गेनाइज्ड इवेंट में करण औजला के साथ स्टेज शेयर करती हुई दिख रही हैं। इसी दौरान जब लोग करण औजला का नाम चिल्लाने लगे तो शहनाज ने जो रिएक्शन दिया, वो काफी सुर्खियां बटोर रहा है।

शहनाज गिल ने फैन्स को दिया जवाब

दरअसल, शहनाज गिल चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में अपना लेटेस्ट सॉन्ग 'सजना वे सजना' परफॉर्म कर रही थीं। इसी दौरान वहां के स्टूडेंट्स ने उनके नाम की जगह करण औजला का नाम लेना शुरू कर दिया। ये देख एक्ट्रेस हैरान रह गईं और फिर अपने अंदाज से फैन्स को जवाब दिया।

"तो मैं जाऊं"- शहनाज गिल

स्टूडेंट्स से करण औजला का नाम सुनने के बाद शहनाज गिल ने कहा, "अच्छा औजला बोल रहे हो। तो मैं जाऊं? दोस्तों, मुझे पता है कि आप उनको बहुत प्यार करते हो लेकिन ये दूसरे आर्टिस्ट के लिए डिस-रेस्पेक्टफुल है। आप लोग सबकी इज्जत किया करो। ठीक है, आप बहुत प्यार करते हो, हम भी उनको प्यार करते हैं।"

शहनाज गिल के सपोर्ट में आए लोग

इस वीडियो के वायरल होने के बाद फैन्स भी शहनाज गिल के सपोर्ट में आ गए। लोगों ने कहा कि शहनाज सही बोल रही हैं। लोग कमेंट्स कर रहे हैं कि अगर आप करण औजला के फैन हो तो उनके कॉन्सर्ट में जाओ, यहां क्यों आए हो। सभी एक्ट्रेस की बात की सही कह रहे हैं कि ऐसा करके लोग दूसरे कलाकारों का अपमान कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com